दैनिक सीहोर जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K RNI No.MPHIN/2003/10309

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | सीहोर जिले, नर्मदापुरम् संभाग एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा | वर्ष-23 अंक-150 | सीहोर,गुरूवार 30 जुलाई 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य -1 रूपये | सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

किसानों ने मांगों को लेकर अर्धनग्न होकर किया उग्र प्रदर्शन

किसानों की प्रमुख मांगें

मूंग की शत-प्रतिशत समर्थन मूल्य पर खरीदी। एमएसपी को कानूनी गारंटी। ई-टोकन व्यवस्था समाप्त करना। खाद और कृषि संबंधी संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता। लंबित भुगतान और किसानों से जुड़े वादों को समयबद्ध तरीके से पूरा करना।

भोपाल (ए.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में किसानों का आंदोलन बुधवार को तीसरे दिन उग्र हो गया। मुख्यमंत्री निवास की ओर कूच कर रहे किसानों ने पुलिस की चार स्तरीय बैरिकेडिंग तोड़ते हुए आगे बढ़ने का प्रयास किया, जिससे कई स्थानों पर पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की की स्थिति बन गई। आंदोलन के दौरान कुछ किसानों ने अर्धनग्न होकर विरोध दर्ज कराया, जबकि बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी नारेबाजी करते हुए मुख्यमंत्री आवास की ओर बढ़ते रहे। सुरक्षा कारणों से पूरे इलाके को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है। मूंग की शत-प्रतिशत समर्थन मूल्य पर खरीदी, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी और ई-टोकन व्यवस्था समाप्त करने सहित विभिन्न मांगों को लेकर किसान पिछले तीन दिनों से राजधानी में डटे हुए हैं। किसानों का आरोप है कि सरकार लगातार आश्वासन दे रही है, लेकिन उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया जा रहा। किसानों ने बोर्ड ऑफिस चौराहे, कांग्रेस कार्यालय, रेडक्रॉस अस्पताल और शिवाजी चौराहे के पास पुलिस की बैरिकेडिंग तोड़ते हुए आगे बढ़ने का प्रयास किया। कई स्थानों पर सड़क रोकने के लिए खड़ी बसों पर भी प्रदर्शनकारी चढ़ गए और उन्हें हटाने की कोशिश की। पुलिस ने अतिरिक्त बल तैनात कर स्थिति नियंत्रित करने का प्रयास किया। प्रदर्शन के दौरान कई किसानों ने अपनी कमीज और बनियान उतारकर अर्धनग्न प्रदर्शन किया। उनका कहना था कि जब सरकार किसानों की आवाज नहीं सुन रही, तब विरोध का यही रास्ता बचा है। किसानों ने आरोप लगाया कि उन्हें फसल का उचित मूल्य नहीं मिल रहा और लगातार आर्थिक संकट गहरा रहा है।केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के आवास के बाहर आंदोलनकारी किसान पहुंचकर सड़क पर बैठ गए। किसानों के प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस ने वाहनों को सड़क पर खड़ा कर रास्ता पूरी तरह ब्लॉक कर दिया है। मौके पर पुलिस का बम निरोधक (बॉम्ब डिस्पोजल) वाहन भी तैनात किया गया है। आवास के बाहर भारी पुलिस बल मौजूद है और सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा कर दिया गया है।प्रदर्शनकारी दशरथ पटेल ने कहा कि किसान किसी से भीख नहीं मांग रहे, बल्कि अपना अधिकार मांग रहे हैं। उन्होंने सरकार पर चुनावी वादों से पीछे हटने का आरोप लगाया। आंदोलन में शामिल कुछ महिलाओं ने कहा कि उन्हें लाड़ली बहना योजना की राशि नहीं चाहिए, बल्कि उनकी मूंग की फसल का उचित मूल्य मिलना चाहिए। किसान आंदोलन के समर्थन में रायसेन से भोपाल पहुंचीं प्रियंका रघुवंशी ने सरकार से किसानों की मांगें जल्द पूरी करने की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि सरकार किसानों की मांगें पूरी नहीं करती है तो मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को इस्तीफा दे देना चाहिए।

किसानों के हित में मध्यप्रदेश सरकार के निर्णय

प्रत्येक पात्र किसान से उसकी मूंग उपज का 60 प्रतिशत उपार्जन किया जायेगा

स्लॉट बुकिंग की अवधि भी 10 दिन बढ़ाने का निर्णय

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर किसानों के साथ चर्चा के लिये गठित मंत्री समूह की किसान प्रतिनिधियों के साथ चर्चा हुई। किसानों के व्यापक हित को ध्यान में रखते हुए मध्यप्रदेश सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है कि अब प्रत्येक पात्र किसान से उसकी मूंग उपज का 25 प्रतिशत नहीं, बल्कि 60 प्रतिशत उपार्जन किया जाएगा, जो नर्मदापुरम, सीहोर एवं हरदा जैसे जिलों में लगभग 3 क्विंटल प्रति एकड़ आता है। यह निर्णय तत्काल प्रभाव से लागू किया जाएगा और प्रयास रहेगा कि अधिक से अधिक किसानों को इसका लाभ मिले।किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सरकार ने स्लॉट बुकिंग की अवधि भी 10 दिन बढ़ाने का निर्णय लिया है। अब किसान 30 जुलाई के स्थान पर 10 अगस्त तक स्लॉट बुकिंग कर सकेंगे। इसी प्रकार उपार्जन की अंतिम तिथि भी 10 अगस्त से बढ़ाकर 20 अगस्त की जा रही है। कृषि मंत्री ऐदल सिंह कंषाना ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार सदैव किसानों के हित में कार्य करती आई है। अन्नदाता प्रदेश की अर्थव्यवस्था और समृद्धि का आधार हैं और उनके परिश्रम से उत्पादित उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है ।

उज्जैन । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दत्तात्रेय अखाड़ा गुरु देव से शिष्टाचार भेंट कर आशीर्वाद लिया।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, छात्र आंदोलन में हिंसा की होगी निष्पक्ष जांच; हाई-पावर कमेटी बनाने पर विचार

नई दिल्ली (ए.)। हालिया छात्र विरोध-प्रदर्शनों के दौरान पुलिसिया कार्रवाई और पुलिसकर्मियों पर हुए हमलों के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने एक बड़ा कदम उठाया है। शीर्ष अदालत ने माना है कि मामले में प्रथम दृष्टया स्वतंत्र और उच्च-स्तरीय जांच की जरूरत है। इसके साथ ही, कोर्ट ने बिना किसी आपराधिक रिकॉर्ड वाले और हिरासत में लिए गए 18 साल से कम उम्र के सभी प्रदर्शनकारियों को तुरंत रिहा करने का सख्त निर्देश दिया है।

केंद्र समेत 9 राज्यों को नोटिस, हाई-पावर कमेटी बनाने पर विचार

मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली बेंच, जिसमें जस्टिस सूर्य कांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना शामिल रहे, ने केंद्र सरकार के अलावा दिल्ली, महाराष्ट्र, बिहार, असम, केरल, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिवों को नोटिस जारी किया है। अदालत ने स्पष्ट कहा कि देश भर में हुए विरोध-प्रदर्शनों से जुड़े विवादों का समाधान केवल एक निष्पक्ष और सबूत-आधारित जांच से ही संभव है। कोर्ट एक ऐसी 'हाई-पावर जांच कमेटी' के गठन पर विचार कर रहा है जो दिल्ली के साथ-साथ अन्य राज्यों में हुई घटनाओं की भी जांच कर सके। हालांकि, कमेटी के स्वरूप पर अंतिम फैसला लेने से पहले केंद्र और राज्यों को अपना पक्ष रखने का समय दिया गया है।सुप्रीम कोर्ट ने मामले की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए जांच एजेंसियों और पुलिस को कई कड़े निर्देश दिए हैं। अदालत ने सभी सीसीटीवी फुटेज, ड्रोन रिकॉर्डिंग, बॉडी-वियर कैमरा फुटेज, वायरलेस संदेश और पीसीआर कॉल रिकॉर्ड को तुरंत सुरक्षित रखने का आदेश दिया है। इसके अलावा पुलिस को निर्देश दिया गया है कि प्रदर्शनकारी छात्रों के व्यक्तिगत डेटा या डिजिटल रिकॉर्ड को किसी भी हाल में सार्वजनिक न किया जाए।

गुरू पूर्णिमा पर उज्जैन से हुआ प्रदेश में नए शैक्षणिक युग का शुभारंभ

गुरुकुल परम्परा और नवीन तकनीक से गढ़ेंगे भविष्य का मध्यप्रदेश : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारत की सबसे बड़ी शक्ति इसकी गुरू परम्परा है। जब गुरूकुल के संस्कार आधुनिक विज्ञान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता की अतिरिक्त क्षमता से जुड़ेंगे, तब हमारी ऐसी पीढ़ी तैयार होगी, जो ज्ञान में श्रेष्ठ, चरित्र में उत्कृष्ट और राष्ट्र निर्माण के प्रति एकनिष्ठ होगी। यही विकसित मध्यप्रदेश और विकसित भारत की सबसे बड़ी नींव है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का सपना आधुनिक शिक्षा और अत्याधुनिक कक्षाओं से ही पूरा होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सांदीपनि विद्यालय हमारी पुरातन गुरूकुल शिक्षा पद्धति का नूतन एवं आधुनिक स्वरूप है। इन विद्यालयों के माध्यम से एक बेहतर कल की ओर बढ़ रहे हैं। इन विद्यालयों से हम अपने लाखों विद्यार्थियों का एक सुनहरा भविष्य गढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शिक्षा, संस्कार, तकनीक और सांस्कृति चेतना के अद्भुत समन्वय का संदेश देकर कहा कि मध्यप्रदेश में विकसित हो रहे सांदीपनि विद्यालय भविष्य के भारत के निर्माण की आधारशिला सिद्ध होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को गुरू पूर्णिमा महोत्सव के अवसर पर उज्जैन के माधव विज्ञान महाविद्यालय में आयोजित महर्षि सांदीपनि गुरू पर्व समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस मौके पर उज्जैन जिले के लिए कुल 587.23 करोड़ रुपए की लागत के विभिन्न श्रेणी के 9 बड़े विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बीते तीन वर्ष तक बोर्ड परीक्षाओं में लगातार शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम देने वाले 6 प्राचार्यों को सांदीपनि अलंकरण से सम्मानित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्कूल शिक्षा विभाग में नव नियुक्त 7500 प्राथमिक शाला शिक्षकों में से 10 शिक्षकों को प्रतीकात्मक रूप से नियुक्ति पत्र प्रदान किए। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर केंद्रित मिशन बुनियाद का शुभारंभ किया। यह मिशन प्रदेश के 8 जिलों के 500 शासकीय स्कूलों में चलाया जाएगा। इसमें कक्षा में 9 से 12 तक के विद्यार्थियों को एआई से पर्सनली पढ़ाया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सर्वांग एवं श्रीकृष्ण विद्यांजलि नामक दो पुस्तिकाओं का विमोचन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नेशनल मीन्स कम मेरिट में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का भी सम्मान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश सरकार ने प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में भव्य गीता भवन बनाने का संकल्प लिया है। आज उज्जैन में गीता भवन का लोकार्पण नागरिकों के लिए कई प्रकार से सुविधाएं उपलब्ध कराएगा। यह शिक्षा विभाग का गीता भवन है। नगर निगम और उज्जैन विकास प्राधिकरण के भी अलग-अलग गीता भवन बनाए जाएंगे। सिंहस्थ: 2028 की तैयारियों के साथ ही इंदौर-उज्जैन मेट्रोपोलिटन सिटी के विकास कार्य भी निरंतर जारी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने सभी विभागों में नई भर्तियों की शुरुआत की है। विगत दो साल में पुलिस विभाग में 18 हजार से अधिक पदों पर भर्ती करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्कूल शिक्षा विभाग में 10 हजार शिक्षकों की भर्ती का काम पूरा हुआ है। आज 3 संभागों के लगभग 1000 शिक्षकों को नियुक्ति पत्र मिले हैं। उन्होंने कहा कि ये शिक्षक महर्षि सांदीपनि के वंशज के रूप में जाने जाएंगे। शिक्षक भगवान श्रीकृष्ण-सुदामा की मित्रता के भाव से बच्चों को शिक्षित करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज शासकीय विद्यालयों के ऐसे प्राचार्यों को, जिन्होंने 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा में तीन साल तक शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम दिया है, उन्हें सम्मानित किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के ऐसे सभी स्कूलों के प्राचार्यों को 1 लाख रुपए की सम्मान राशि और प्राध्यापकों के साथ स्कूल में विकास कार्यों के लिए 5 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

POK में प्रदर्शन के दौरान हालात बेकाबू, शहबाज सरकार की हिंसक कार्रवाई में 20 से ज्यादा लोगों की गई जान, कई घायल

इस्लामाबाद (ए)। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) के लॉन्ग मार्च के दौरान कम से कम 20 लोग मारे गए और दर्जनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना इस इलाके में प्रदर्शनकारियों पर पाकिस्तानी अधिकारियों की बढ़ती कार्रवाई के बीच हुई। मरने वालों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है, घायलों में से कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में डिटेल्स शेयर करते हुए जेएएसी ने कहा, लॉन्ग मार्च का कारवां रावलकोट शहर पहुंच गया है।

लोकसभा से पास हुआ नया एंटी-पेपर लीक बिल

दोषियों को होगी इतने साल की सजा और 10 करोड़ तक जुर्माना

नई दिल्ली(ए)। लोकसभा में बुधवार को पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) संशोधन विधेयक, 2026 ध्वनिमत से पारित हो गया। साथ ही, विधेयक पर लंबी चर्चा के बाद सदन की कार्यवाही गुरुवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। इसके तहत पेपर लीक से जुड़े कानून सख्त कर दिए हैं। अब पेपर लीक से जुड़े अपराधों में अधिकतम 10 साल तक की जेल और 10 करोड़ रुपए तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। विधेयक

पर चर्चा के दौरान केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने विपक्ष, विशेषकर लोकसभा में विपक्ष के नेता के रवैये पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि इतने महत्वपूर्ण विधेयक पर सार्थक सुझाव देने के बजाय विपक्ष इस मुद्दे का राजनीतिकरण कर रहा है। जितेंद्र सिंह ने कहा, सबसे पहले विपक्ष का आचरण बेहद निराशाजनक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिबद्धता को दर्शाने वाले इतने गंभीर और महत्वपूर्ण विधेयक पर रचनात्मक सुझाव देने के बजाय विपक्ष राजनीति कर रहा है। विपक्ष के नेता ने जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया, वह न केवल असंसदीय थी, बल्कि इतनी अनुचित थी कि मैं उसे दोहराना भी नहीं चाहूंगा।

अयोध्या के भव्य राम मंदिर में फिर भरा बारिश का पानी, राम दरबार की सीढ़ियां बनीं झरना; रामपथ भी जलमग्न

अयोध्या (ए) भव्य और व्यवस्थित तरीके से बने राम मंदिर में मंगलवार को मूसलाधार बारिश के दौरान एक बार फिर पानी आने का सिलसिला जारी रहा। तेज बारिश के बीच राम दरबार की सीढ़ियां किसी झरने की तरह दिखाई दीं, जहां से पानी लगातार मंदिर परिसर में बहता रहा। स्थिति को देखते हुए सुरक्षाकर्मियों ने श्रद्धालुओं को राम दरबार की तरफ जाने और दर्शन करने से कुछ समय के लिए रोक दिया। करोड़ों की लागत से बने इस भव्य मंदिर में थोड़ी ही देर की बारिश में बार-बार पानी आना श्रद्धालुओं के बीच गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है ।

संक्षिप्त समाचार

भोपाल मंडल होकर प्रयागराज-तिरुनेलवेली स्पेशल ट्रेन का संचालन 01 अगस्त से

भोपाल (निप्र)। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ एवं यात्रा मांग को ध्यान में रखते हुए रेलवे प्रशासन द्वारा रेल बोर्ड की स्वीकृति से गाड़ी संख्या 04171/ 04172 प्रयागराज-तिरुनेलवेली- प्रयागराज स्पेशल ट्रेन का संचालन किया जा रहा है। यह स्पेशल ट्रेन पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल के इटारसी स्टेशन से होकर चलेगी। गाड़ी संख्या 04171 प्रयागराज-तिरुनेलवेली स्पेशल प्रत्येक शनिवार को 01 अगस्त 2026 से 22 अगस्त 2026 तक (कुल 04 ट्रिप) प्रयागराज से प्रस्थान करेगी। वहीं गाड़ी संख्या 04172 तिरुनेलवेली-प्रयागराज स्पेशल प्रत्येक सोमवार को 03 अगस्त 2026 से 24 अगस्त 2026 तक (कुल 04 ट्रिप) संचालित होगी।

भोपाल मंडल में यह स्पेशल ट्रेन निम्नानुसार ठहरेगी

गाड़ी संख्या 04171 (प्रयागराज-तिरुनेलवेली स्पेशल) इटारसी जंक्शन आगमन 21:25 बजे, प्रस्थान 21:30 बजे। गाड़ी संख्या 04172 (तिरुनेलवेली-प्रयागराज स्पेशल) इटारसी जंक्शन आगमन 15:05 बजे, प्रस्थान 15:10 बजे।

ठहराव स्टेशन-

मानिकपुर, सतना, कटनी, जबलपुर, इटारसी जंक्शन, नागपुर, चंद्रपुर, बल्लारशाह,सिरपुर कागजनगर, रामगुंडम, वारंगल,खम्मम, विजयवाड़ा जंक्शन, तेनाली जंक्शन, ओंगोल, नेल्लोर, गुडूर जंक्शन, रेनीगुंटा जंक्शन,कटपडी जंक्शन, जोलारपेट्टई जंक्शन, सेलम जंक्शन, नमक्कल, करूर, डिंडीगुल, मदुरै जंक्शन, विरुधुनगर जंक्शन, सत्तूर, कोविलपट्टी,तिरुनेलवेली जंक्शन । यह स्पेशल ट्रेन 19 कोचों (09 स्लीपर, 02 वातानुकूलित थर्ड एसी कोच, 06 जनरल एवं 02 एसएलआर/डी) के साथ संचालित होगी। रेल प्रशासन यात्रियों से अनुरोध करता है कि वे यात्रा से पूर्व गाड़ी के समय एवं ठहराव की जानकारी रेलवे की अधिकृत माध्यमों से अवश्य प्राप्त कर लें तथा अपने आरक्षित टिकट समय से पूर्व सुनिश्चित कर लें।

ग्वालियर जिले में भी विद्युत सुरक्षा निरीक्षकालय का कार्यालय खुलेगा

भोपाल (ए.)। ग्वालियर जिले में विद्युत सुरक्षा निरीक्षकालय का नवीन वृत्त कार्यालय प्रारंभ करने का अनुमोदन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट में प्रदान किया गया है। अभी यह कार्यालय मध्यप्रदेश में इंदौर, उज्जैन, रीवा में संचालित हैं। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि अब यह कार्यालय ग्वालियर में शुरू होने पर विभाग के कार्यों के लिए आम जनता को भोपाल नहीं आना पड़ेगा। इससे लोगों के समय व धन की बचत होगी। अब इससे संबंधित सभी कार्य ग्वालियर में सुगमता से संपादित होंगे। साथ ही विद्युत सुरक्षा पर सतत निगरानी होने से विद्युत दुर्घटनाओं में कमी आयेगी। यह कार्यालय ग्वालियर, चम्बल संभाग के अंतर्गत आने वाले 8 जिलों की जनता को कार्य में सुविधा प्रदान करेगा। ग्वालियर में विद्युत सुरक्षा निरीक्षकालय का वृत्त कार्यालय के लिये अधीक्षण यंत्री विद्युत सुरक्षा सहित कुल 9 नवीन पदों का सृजन किया गया है।

डिग्री के साथ विद्यार्थियों को औद्योगिक प्रशिक्षण का अवसर दे रहा एईडीपी

84 विद्यार्थियों का प्रतिष्ठित कंपनियों में चयन, अंतिम वर्ष में स्टाइपेंड के साथ अप्रेंटिसशिप

भोपाल (ए.)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप मध्यप्रदेश में संचालित अप्रेंटिसशिप एम्बेडेड डिग्री प्रोग्राम (एईडीपी) स्नातक विद्यार्थियों के लिए रोजगारोन्मुखी उच्च शिक्षा का प्रभावी माध्यम बनकर उभर रहा है। कार्यक्रम के पहले बैच के 84 विद्यार्थियों का विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों में अप्रेंटिसशिप के लिए चयन हुआ है। वहीं वर्तमान शैक्षणिक सत्र 2026-27 में एईडीपी के अंतर्गत 3500 से अधिक विद्यार्थी प्रवेश ले चुके हैं। प्रवेश प्रक्रिया के पूर्ण होने तक यह संख्या लगभग 5000 तक पहुंचने की संभावना है।

डिग्री के साथ मिलेगा औद्योगिक प्रशिक्षण

एईडीपी के अंतर्गत विद्यार्थियों को नियमित स्नातक पाठ्यक्रम के साथ उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल आधारित प्रशिक्षण दिया जाता है। पहले दो वर्षों में विषय आधारित अध्ययन के साथ व्यावहारिक दक्षताओं का विकास किया जाता है, जबकि अंतिम वर्ष में विद्यार्थियों को संबंधित उद्योगों में अप्रेंटिसशिप के लिए भेजा जाता है। इस दौरान वे वास्तविक कार्यस्थल पर प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं, नियमानुसार स्टाइपेंड प्राप्त करते हैं तथा उद्योग में उनके प्रदर्शन के आधार पर अंतिम वर्ष का मूल्यांकन किया जाता है। इससे स्नातक उपाधि के साथ औद्योगिक अनुभव भी प्राप्त होता है।

पहले बैच ने दिखाई कार्यक्रम की उपयोगिता

वर्ष 2024 में एईडीपी में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थी अब विभिन्न उद्योगों में अप्रेंटिसशिप के लिए चयनित हो रहे हैं। हाल ही में आयोजित चयन प्रक्रिया में 84 विद्यार्थियों का विभिन्न क्षेत्रों की अग्रणी कंपनियों में चयन हुआ। रिटेल ऑपरेशंस के 21 विद्यार्थियों का चयन लोटस इलेक्ट्रॉनिक्स में हुआ। लॉजिस्टिक्स क्षेत्र के 38 विद्यार्थियों का चयन कैरीफास्ट लॉजिस्टिक्स, मोज़ेक ग्रुप, लुसेन और टीमवर्क्स ने किया। मानव संसाधन संचालन (एचआर ऑपरेशंस) के 13 विद्यार्थियों का चयन टेक्नोटास्क, ताज होटल और विक्रम सीमेंट्स में हुआ, जबकि बीएफएसआई (बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं एवं बीमा) क्षेत्र के 12 विद्यार्थियों का चयन फिनोदय तथा मुथूट समूह की कंपनियों में किया गया। चयनित विद्यार्थियों को 10 हजार से 17 हजार रुपये प्रतिमाह तक स्टाइपेंड मिलेगा।

प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा को गहराई से समझने के लिये उन्हें उज्जैन के सांदिपनी आश्रम अवश्य आना चाहिए : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री गुरु पूर्णिमा पर महर्षि सांदीपनि आश्रम में श्रद्धा समारोह में हुए शामिल

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर महर्षि सांदीपनि आश्रम परिसर में आयोजित गुरु परंपरा का लोकपर्व श्रद्धा समारोह में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरु-शिष्य परंपरा, भारतीय ज्ञान परंपरा और सांदीपनि आश्रम की ऐतिहासिक महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि पूरे विश्व में यदि किसी को प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा को गहराई से समझना हो तो उन्हें उज्जैन के सांदिपनी आश्रम अवश्य आना चाहिए। भारतीय परंपरा में गुरु को ईश्वर से भी ऊपर माना गया है, और उज्जैन तो वह नगर है जहां स्वयं ईश्वर शिक्षा ग्रहण करने आए थे। महर्षि सांदीपनि ने जो विद्या श्री कृष्ण को दी, इसी कारण से वे जगतगुरु बने। हमारे अतीत की गौरवशाली परंपरा को संजोकर आगे ले जाने का काम सरकार कर रही है। आगामी सिंहस्थ 2028 महापर्व के तहत उज्जैन के साहित्य, कला और संस्कृति को ध्यान में रखते हुए विकास कार्यों को पूरा किया जा रहा है। उज्जैन में सभी धर्मों के लोग मिलकर विकास कार्यों में सहयोग कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने अपनी ओर से सभी को गुरु पूर्णिमा पर्व की शुभकामनाएं दीं।

विधायक अनिल जैन कालुहेड़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के कुशल नेतृत्व में उज्जैन को निरंतर विकास कार्यों की सौगातें मिल रही हैं। शीघ्र ही यहां सांदीपनि लोक, काल भैरव लोक भी बनाया जाएगा। इसके अलावा उज्जैन में आयुर्वेद चिकित्सा का विश्वविद्यालय बनाए जाने की भी योजना है। उन्होंने आमजन की ओर से मुख्यमंत्री डॉ यादव के प्रति आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम स्थल पर पहुंच कर सबसे पहले महर्षि सांदीपनि गुरुदेव की पूजा अर्चना एवं आरती की। कुण्डेश्वर महादेव व सर्वेश्वर महादेव मंदिर में दर्शन किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के द्वारा महर्षि गुरु सांदीपनि, स्वयं के द्वारा लिखित महर्षि सांदीपनि भारतीय गुरुकुल परंपरा के शिल्पी एवं सर्वांग पुस्तक का विमोचन किया तथा वेदपाठियों को श्रीमद्भगवद्गीता पुस्तक का वितरण भी किया।

कार्यक्रम का आयोजन मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग और त्रिवेणी संग्रहालय के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम में भक्ति गायन एवं नाट्य प्रस्तुति गुरु दत्तात्रेय की पाठशाला भी प्रस्तुति भी दी गई। इस अवसर पर उज्जैन विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष रवि सोलंकी, संजय अग्रवाल, एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन में वाल्मीकि धाम में दर्शन कर पूजा अर्चना की।

चार श्रम संहिताओं के अंतिम मसौदा प्रस्तुत करने के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित

भोपाल (ए.)। केंद्र सरकार द्वारा लागू की गई चार श्रम संहिताओं के अंतर्गत म.प्र शासन, श्रम विभाग द्वारा समुचित सरकार के रूप में चार राज्य नियमों को लागू किया जाना है। श्रम विभाग द्वारा मध्यप्रदेश वेतन संहिता नियम 2026, मध्यप्रदेश औद्योगिक संबंध नियम 2026, मध्यप्रदेश सामाजिक सुरक्षा नियम 2026 और मध्यप्रदेश उपजीविका जन्य, सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्यदशा नियम 2026 राज्य नियमों के प्रारूपतैयार किये गये हैं। 27 जुलाई 2026 को आयोजित वरिष्ठ सचिव समिति द्वारा उपरोक्त प्रारूप नियमों का सूक्ष्मता से परीक्षण एवं अध्ययन करने के लिये एवं नियमों को अंतिम मसौदा प्रस्तुत करने के लिये राज्य शासन द्वारा तीन सदस्यीय समिति का गठनश्री अमित राठौर प्रमुख सचिव वाणिज्यिक कर की अध्यक्षता में किया है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश अनुसार समिति में जॉन किंग्सली सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन को सदस्य बनाया गया है। राजेन्द्रन सचिव श्रम को सदस्य-सचिव नामित किया गया है। समिति के समक्ष श्रम विभाग द्वारा तैयार किए गए प्रारूप नियमों पर श्रमायुक्त द्वारा प्रस्तुतीकरण किया जाएगा।

भोपाल मंडल में तत्काल आरक्षण हेतु नई एवं पारदर्शी टोकन व्यवस्था 01 अगस्त 2026 से होगी लागू

भोपाल (निप्र)। यात्रियों को अधिक पारदर्शी, सुव्यवस्थित एवं सुविधाजनक तत्काल आरक्षण सुविधा उपलब्ध कराने तथा अनधिकृत दलालों एवं बिचौलियों पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल द्वारा तत्काल आरक्षण के लिए नई टोकन वितरण व्यवस्था लागू की जा रही है। यह व्यवस्था भोपाल मंडल के सभी आरक्षण केंद्रों पर 01 अगस्त 2026 से प्रभावी होगी।

नई व्यवस्था के अनुसार एसी तत्काल आरक्षण के लिए प्रतिदिन प्रात: 08:30 बजे से 09:00 बजे तक तथा नॉन-एसी तत्काल आरक्षण के लिए प्रात: 09:00 बजे से 09:30 बजे तक टोकन वितरित किए जाएंगे। प्रत्येक आरक्षण काउंटर पर एसी श्रेणी के लिए अधिकतम 10 तथा नॉन-एसी श्रेणी के लिए 15 टोकन जारी किए जाएंगे। भीड़ एवं स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए सक्षम अधिकारी आवश्यकतानुसार टोकनों की संख्या में परिवर्तन कर सकेंगे।

नई व्यवस्था में टोकन वितरण के लिए दो प्राथमिकता श्रेणियां निर्धारित की गई हैं—

प्राथमिकता 'A' (स्वयं एवं पारिवारिक सदस्य) जो यात्री स्वयं अथवा अपने निकट पारिवारिक सदस्यों (दादा-दादी, माता-पिता, भाई-बहन, पुत्र-पुत्री एवं पति-पत्नी) के लिए तत्काल टिकट प्राप्त

करेंगे, उन्हें प्राथमिकता 'A' में रखा जाएगा।

आवश्यक दस्तावेज

स्वयं के लिए: स्वप्रमाणित आधार कार्ड अथवा रेलवे द्वारा मान्य अन्य फोटो पहचान-पत्र।

पारिवारिक सदस्य के लिए:

आवेदन प्रस्तुत करने वाले प्रतिनिधि का स्वप्रमाणित आधार कार्ड अथवा अन्य मान्य फोटो पहचान-पत्र। यात्रा करने वाले परिवार सदस्य का स्वप्रमाणित आधार कार्ड अथवा अन्य मान्य फोटो पहचान-पत्र। यदि इन दस्तावेजों से पारिवारिक संबंध स्थापित नहीं होता है, तो राशन कार्ड, फैमिली मेडिकल कार्ड अथवा परिवार का विवरण दर्शाने वाले किसी अन्य सरकारी दस्तावेज की स्वप्रमाणित प्रति प्रस्तुत करनी होगी।

प्राथमिकता 'B' (अन्य यात्री)

प्राथमिकता 'A' के अतिरिक्त सभी अन्य आवेदकों को प्राथमिकता 'B' में रखा जाएगा।

आवश्यक दस्तावेज़

आवेदन प्रस्तुत करने वाले व्यक्ति/प्रतिनिधि के आधार कार्ड अथवा रेलवे द्वारा मान्य अन्य फोटो पहचान-पत्र की स्वयं सत्यापित प्रति। जिस यात्री के लिए आरक्षण कराया जा रहा है, उसके आधार कार्ड अथवा रेलवे द्वारा मान्य अन्य फोटो पहचान-पत्र की स्वयं सत्यापित प्रति, जिस पर संबंधित यात्री के हस्ताक्षर अंकित हों। टोकनों का आवंटन प्राथमिकता के अनुसार क्रमबद्ध रूप से किया जाएगा। पहले प्राथमिकता 'A' श्रेणी के सभी टोकनधारकों का कार्य पूर्ण किया जाएगा, उसके बाद ही प्राथमिकता 'B' श्रेणी के यात्रियों को आरक्षण काउंटर पर अवसर मिलेगा। प्रत्येक टोकन पर संबंधित काउंटर संख्या अंकित होगी तथा उसका विवरण निर्धारित रजिस्टर में दर्ज किया जाएगा, जिससे एक ही व्यक्ति द्वारा बार-बार टोकन प्राप्त करने अथवा टाउट गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी रखी जा सके। टोकन किसी भी परिस्थिति में हस्तांतरणीय नहीं होगा तथा केवल टोकन प्राप्त करने वाला व्यक्ति ही संबंधित आरक्षण काउंटर से टिकट प्राप्त करने का पात्र होगा। सभी टोकनधारकों का कार्य पूर्ण होने के उपरांत उपलब्धता के आधार पर तत्काल टिकटों की बुकिंग पूर्ववत पहले आओ, पहले पाओ के सिद्धांत पर की जाएगी। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि यह नई व्यवस्था यात्रियों को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित आरक्षण सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने यात्रियों से अपील की है कि वे निर्धारित प्रक्रिया का पालन करें तथा किसी भी प्रकार के अनधिकृत

भोपाल में देसी घी के नाम पर बड़ा खेल, 10 क्विंटल घी जब्त, बिना लाइसेंस चल रहा था कारोबार

भोपाल (आरएनएस)। भोपाल के करोंद क्षेत्र में खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक प्रतिष्ठान से 938 किलोग्राम (करीब 10 क्विंटल) देसी घी जब्त किया। घी की अनुमानित कीमत 5.50 लाख है। प्रारंभिक जांच में मिलावट की आशंका मिलने पर पूरा स्टॉक जब्त कर लिया गया। जांच के दौरान प्रतिष्ठान बिना खाद्य लाइसेंस संचालित मिलता पाया गया।राजधानी में मिलावटी खाद्य पदार्थों के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने मंगलवार को करोंद स्थित एक प्रतिष्ठान पर बड़ी छापामार कार्रवाई करते हुए करीब 10 क्विंटल (938 किलोग्राम) देसी घी जब्त किया। जब्त घी की अनुमानित कीमत 5.50 लाख बताई गई है। प्रारंभिक जांच में घी की गुणवत्ता पर संदेह जताया गया है, जबकि प्रतिष्ठान बिना आवश्यक खाद्य लाइसेंस के संचालित होता मिला। खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम ने करोंद के पंचवटी कॉलोनी स्थित प्रतिष्ठान पर छापा मारकर विभिन्न कंपनियों के 15 किलो, 5 किलो, 1 किलो, 500 ग्राम और 200 ग्राम पैक वाले देसी घी का बड़ा स्टॉक बरामद किया। संदेह के आधार पर पूरे स्टॉक को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 के तहत जब्त कर लिया गया।

एमपी में पदोन्नति नियमों पर बढ़ा विवाद

गृह विभाग के अधिकारियों ने उठाए सवाल; कोर्ट जाने की चेतावनी, नियमों के गलत व्याख्या के आरोप

भोपाल (आरएनएस)। मध्य प्रदेश में करीब दस साल बाद शुरू हुई पदोन्नति प्रक्रिया अब विवादों में घिरती जा रही है। सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) के नियमों की अनदेखी और उनकी मनमानी व्याख्या करने के आरोप लग रहे हैं। कमर्शियल टैक्स विभाग के बाद अब गृह विभाग के अधिकारियों ने भी पदोन्नति नियम-2025 के प्रावधानों का पालन नहीं करने का आरोप लगाते हुए गृह विभाग की सचिव और वरिष्ठ अधिकारियों से शिकायत की है। अधिकारियों का कहना है कि नियमों के अनुरूप पदोन्नति नहीं होने से सामान्य वर्ग और अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग के हजारों कर्मचारी एवं अधिकारी पदोन्नति से वंचित रह गए हैं। प्रदेश में सबसे अधिक पदोन्नति पुलिस विभाग में हुई है।

देवास से रेस्क्यू किए गए बाघ युवराज की हालत में सुधार, वन विहार में चल रहा उपचार

भोपाल (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के देवास जिले की ख्योनी वन्यजीव अभयारण्य से गंभीर रूप से घायल अवस्था में रेस्क्यू किए गए वयस्क बाघ युवराज की सेहत में अब धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। भोपाल स्थित वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में उसे सघन चिकित्सकीय निगरानी में रखकर उपचार किया जा रहा है। वन विहार प्रबंधन के अनुसार, युवराज का जन्म ख्योनी अभयारण्य में हुआ था। लगभग दो वर्ष की आयु से वह अभयारण्य के पर्यटन क्षेत्र का प्रमुख आकर्षण रहा है। अधिकारियों के मुताबिक, क्षेत्र में बाघों की संख्या बढ़ाने में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वह बाघिन राधा और मीरा के साथ अपना क्षेत्र साझा करता था।जानकारी के अनुसार, जून के तीसरे सप्ताह में एक युवा बाघ के युवराज के क्षेत्र में प्रवेश करने के बाद दोनों के बीच क्षेत्रीय वर्चस्व को लेकर संघर्ष हुआ। इस दौरान हुई भिड़ंत में युवराज गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसके बाद उसकी स्थिति लगातार बिगड़ती चली गई और वह चलने-फिरने में भी असमर्थ हो गया। हालात को देखते हुए वन विभाग ने उसका रेस्क्यू कर भोपाल के वन विहार राष्ट्रीय उद्यान पहुंचाया।वन विहार लाए जाने के छह दिन बाद विशेषज्ञ पशु चिकित्सकों ने उसे बेहोश कर विस्तृत स्वास्थ्य परीक्षण किया। एक्स-रे और चिकित्सकीय जांच में उसके दोनों अगले पैरों की हड्डियों में फ्रैक्चर की पुष्टि हुई। इसके अलावा दोनों अगले पैरों तथा बाएं पिछले पैर पर गहरे घाव मिले। बाएं पिछले पैर के गंभीर घाव पर छह टांके लगाए गए। वन विहार की सहायक संचालक के मुताबिक रेस्क्यू के बाद से ही बाघ की लगातार निगरानी की जा रही है।

उत्तर प्रदेश में कार्यरत मध्यप्रदेश के मतदाताओं को मिलेगा सवैतनिक अवकाश

भोपाल (ए.)। दतिया विधानसभा उप निर्वाचन-2026 के तहत 30 जुलाई 2026 को होने वाले मतदान के लिए उत्तर प्रदेश में आजीविका के संबंध में कार्यरत मध्यप्रदेश के मतदाताओं को मतदान के लिये सवैतनिक अवकाश प्रदान किया जाएगा। यह अवकाश लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 135-ख के प्रावधानों के अंतर्गत स्वीकृत किया है। आदेश मध्यप्रदेश के उन सभी मतदाताओं पर लागू होगा, जो उत्तरप्रदेश में दैनिक श्रमिक सहित अन्य रोजगार के माध्यम से कार्यरत हैं और दतिया विधानसभा उप निर्वाचन में मतदान करने के पात्र हैं। साथ ही सभी नियंत्रक प्राधिकारियों एवं कार्यालयाध्यक्षों को निर्देश दिए गए हैं कि संबंधित मतदाताओं को सवैतनिक अवकाश प्रदान करने संबंधी आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए, जिससे वे अपने मताधिकार का स्वतंत्र एवं सुगमता से उपयोग कर सकें।

श्रावण मेले पर उज्जैन के लिए संत हिरदाराम नगर से दो जोड़ी एवं भोपाल से एक जोड़ी अनारक्षित स्पेशल ट्रेनें प्रतिदिन संचालित

भोपाल (निप्र)। रेलवे द्वारा उज्जैन एवं सीहोर क्षेत्र में श्रावण मास के दौरान अतिरिक्त यात्रियों को समायोजित करने के लिए उज्जैन-भोपाल के मध्य तीन जोड़ी अनारक्षित मेला स्पेशल ट्रेनों के संचालन का प्रतिदिन निर्धारित अवधि तक करने का निर्णय लिया गया है। इन अनारक्षित स्पेशल ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है—

1. गाड़ी संख्या 09305/09306 उज्जैन-संत हिरदाराम नगर-उज्जैन मेला स्पेशल-

गाड़ी संख्या 09305 उज्जैन-संत हिरदाराम नगर मेला स्पेशल दिनांक 28 जुलाई, 2026 से 08 सितम्बर, 2026 तक उज्जैन से प्रतिदिन 09.00 बजे प्रस्थान कर उसी दिन 13.30 बजे संत हिरदाराम नगर पहुँचेगी।

इसी प्रकार, गाड़ी संख्या 09306 संत हिरदाराम नगर-उज्जैन मेला स्पेशल दिनांक 28 जुलाई, 2026 से 08 सितम्बर, 2026 तक संत हिरदाराम नगर से प्रतिदिन 14.20 बजे प्रस्थान कर उसी दिन 19.30 बजे उज्जैन पहुँचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में तराना रोड, मक्सी, बेरछा, कालीसिंध, अकोदिया, शुजालपुर, कालापीपल एवं सीहोर स्टेशनों पर

ठहरेगी।

2. गाड़ी संख्या 09307/09308 उज्जैन-भोपाल-उज्जैन मेला स्पेशल-

गाड़ी संख्या 09307 उज्जैन-भोपाल मेला स्पेशल दिनांक 28 जुलाई, 2026 से 08 सितम्बर, 2026 तक उज्जैन से प्रतिदिन 21.00 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 02.20 बजे भोपाल पहुँचेगी। इसी प्रकार, गाड़ी संख्या 09308 भोपाल-उज्जैन मेला स्पेशल दिनांक 29 जुलाई, 2026 से 09 सितम्बर, 2026 तक भोपाल से प्रतिदिन 03.10 बजे प्रस्थान कर उसी दिन 08.00 बजे उज्जैन पहुँचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में तराना रोड, मक्सी, बेरछा, कालीसिंध, अकोदिया, शुजालपुर, कालापीपल, सीहोर एवं संत हिरदाराम नगर स्टेशनों पर ठहरेगी।

3. गाड़ी संख्या 09313/09314 उज्जैन-संत हिरदाराम नगर-उज्जैन मेला स्पेशल

गाड़ी संख्या 09313 उज्जैन-संत हिरदाराम नगर मेला स्पेशल दिनांक 28 जुलाई, 2026 से 08 सितम्बर, 2026 तक उज्जैन से प्रतिदिन 16.00 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 00.10 बजे संत हिरदाराम नगर पहुँचेगी। इसी प्रकार, गाड़ी संख्या 09314 संत हिरदाराम नगर-उज्जैन मेला स्पेशल दिनांक 29 जुलाई, 2026 से 09 सितम्बर, 2026 तक संत हिरदाराम नगर से प्रतिदिन 01.00 बजे प्रस्थान कर उसी दिन 06.00 बजे उज्जैन पहुँचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में तराना रोड, मक्सी, बेरछा, कालीसिंध, अकोदिया, शुजालपुर, कालापीपल, एवं सीहोर स्टेशनों पर रुकेगी। ट्रेनों के ठहराव, आगमन/प्रस्थान समय सहित अन्य अद्यतन जानकारियों के लिए यात्रीगण कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित किया।

सिंधिया राजघराने की संपत्ति विवाद में दोहरी सुनवाई : 1000 पन्नों के कागजात कोर्ट में पेश, अगली सुनवाई 8 अक्टूबर

ग्वालियर (ए.)। ग्वालियर में सिंधिया राजघराने की संपत्ति के बंटवारे से जुड़े बहुचर्चित मामले में जिला अदालत में बुधवार को दो अलग-अलग चरणों में सुनवाई हुई। पहली सुनवाई परिवार के बीच हुए संपत्ति बंटवारा समझौते यानी फैमिली सेटलमेंट से संबंधित रही, जबकि दूसरी सुनवाई प्रतिमा देवी की ओर से दायर आवेदन पर हुई। अदालत ने दोनों मामलों में अगली सुनवाई की अलग-अलग तारीखें तय की हैं।

संपत्ति बंटवारा समझौते से जुड़े मूल प्रकरण में जिला अदालत के समक्ष करीब 1000 पन्नों का रिकॉर्ड और दस्तावेज पेश किए गए। इनमें पूर्व की न्यायिक कार्यवाही, दावा-आपत्तियां, फैमिली सेटलमेंट से जुड़ा राजीनामा और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज शामिल हैं। अदालत अब इन सभी रिकॉर्ड का विस्तृत परीक्षण करेगी। इस मामले की अगली सुनवाई 8 अक्टूबर को होगी।

वहीं, इसी विवाद से जुड़े दूसरे चरण में प्रतिमा देवी की ओर से दायर आवेदन पर भी सुनवाई हुई। सुनवाई

के दौरान प्रतिमा देवी के पति अदालत में मौजूद रहे और उन्होंने अपना पक्ष रखा।

दूसरी ओर, सिंधिया परिवार के अन्य पक्षों ने आवेदन का विरोध करते हुए अदालत में दलील दी कि आवेदन के समर्थन में पर्याप्त दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए हैं, इसलिए इसे स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने प्रतिवादी पक्ष को अपना विस्तृत जवाब दाखिल करने के लिए तीन सप्ताह का समय दिया है। प्रतिमा देवी के आवेदन पर अब अगली सुनवाई 17 अगस्त को होगी। बता दें, प्रतिमा देवी राणा केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की बड़ी बुआ, स्वर्गीय पद्मावती राजे की पुत्री हैं। वह भी राजघराने की संपत्ति में अपना हिस्सा मांग रही हैं।

सिंधिया राजघराने की संपत्तियों से जुड़ा यह मामला लंबे समय से न्यायालय में विचाराधीन है और इसकी हर सुनवाई पर राजनीतिक, सामाजिक और कानूनी हलकों की नजर बनी रहती है।

फिलहाल अदालत ने किसी भी पक्ष के दावे पर अंतिम टिप्पणी या निर्णय नहीं दिया है। अब 17 अगस्त और 8 अक्टूबर की सुनवाई अहम मानी जा रही है। एक ओर प्रतिमा देवी के आवेदन पर अदालत आगे की प्रक्रिया तय करेगी, वहीं दूसरी ओर फैमिली सेटलमेंट से जुड़े दस्तावेजों के परीक्षण के बाद मूल मामले की सुनवाई आगे बढ़ेगी।

ऐसे में इस बहुचर्चित संपत्ति विवाद की हर अगली तारीख पर सभी की निगाहें टिकी रहेंगी।

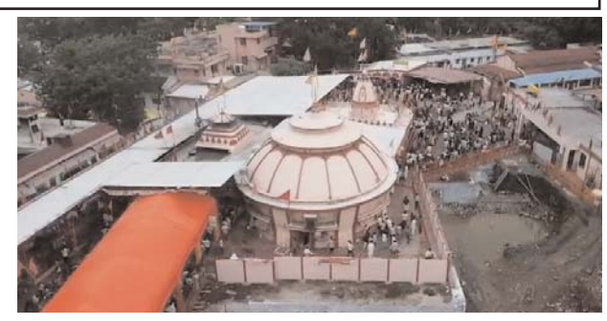

गुरुपूर्णिमा : श्री दादाजी दरबार में दर्शन करने उमड़े लाखों भक्त, सड़कों पर उमड़ा जनसैलाब, पग-पग पर चल रहे भंडारे

खंडवा (ए.)। भारतीय सनातन परंपरा में गुरु-शिष्य संबंध को सर्वोच्च स्थान प्राप्त है। इसी परंपरा का जीवंत स्वरूप इन दिनों मध्यप्रदेश के खंडवा स्थित विश्व प्रसिद्ध श्री दादाजी धूनीवाले धाम में देखने को मिल रहा है। तीन दिवसीय गुरु पूर्णिमा महोत्सव के अवसर पर देशभर से लाखों श्रद्धालु दादाजी धूनीवाले की समाधि पर दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए पहुंच रहे हैं। बड़ी संख्या में भक्त सैकड़ों किलोमीटर की पदयात्रा कर नंगे पांव हाथों में ध्वज-निशान लेकर धाम पहुंचे हैं। यह परंपरा वर्ष 1930 से लगातार चली आ रही है।

दादाजी धूनीवाले के नाम से प्रसिद्ध संत केशवानंद जी महाराज ने वर्ष 1930 में खंडवा स्थित आश्रम में निर्वाण प्राप्त किया था। तभी से गुरु पूर्णिमा पर उनके शिष्य और अनुयायी देशभर से यहां पहुंचकर समाधि पर माथा टेकते हैं। आश्रम में दर्शन का सिलसिला चौबीसों घंटे जारी रहता है। सेवा के समय को छोड़कर यहां किसी भी समय श्रद्धालु दर्शन कर सकते हैं।

इंदौर में प्रेमी ने गला घोटकर मारा, फिर हादसा दिखाने के लिए लगा दी थी आग

इंदौर (ए.) । निजी बैंक की कर्मचारी पलक काशिव की मौत का खुलासा पुलिस ने किया है। पुलिस पहले इसे हादसा समझकर पड़ताल कर रही थी, लेकिन कॉलोनी के सीसीटीवी कैमरे में कैद फुटेज ने जांच की दिशा बदल दी। पता चला कि युवती का प्रेमी नकाब पहनकर घर आया था। पहले उसने युवती का गला दबाया और जब वह मूर्छित हो गई तो उस पर पेट्रोल डालकर घर में आग लगा दी। हादसा बताने के लिए उसने गैस का बर्नर भी खुला छोड़ दिया था।

पुलिस ने पलक के प्रेमी मयंक शाक्य को दतिया से गिरफ्तार कर लिया है। मयंक पलक से जबरदस्ती शादी करना चाहता था। पलक ने इनकार कर दिया तो उसने उसकी हत्या करने का फैसला कर लिया। पुलिस ने उसे पकड़कर पूछताछ की तो उसने हत्या करना कबूल कर लिया और पलक पर पेट्रोल डालकर उसे जलाने की बात भी स्वीकार कर ली। पलक का शव तपेश्वरी के फ्लैट में सोमवार को मिला था। शव दो दिन पुराना था। दरअसल, पलक दो दिन से परिजनों के फोन नहीं उठा रही थी। पिता ने मकान मालिक को फ्लैट पर भेजा तो पलक का शव फ्लैट में मिला। उस समय गैस का बर्नर खुला था और गैस का रिसाव भी हो रहा था। चूल्हे पर कटी हुई सब्जियां रखी थीं। परिस्थितियों को देखकर पुलिस ने पहले इसे हादसा समझा और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दम घुटने की बात सामने आई।

अवैध कब्जों पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, नगर पालिका की 55 दुकानें सील; नए आवंटन का रास्ता साफ

टीकमगढ़ (ए.)। टीकमगढ़ नगर पालिका की संपत्तियों पर वर्षों से चले आ रहे अवैध कब्जों के खिलाफ मंगलवार को जिला प्रशासन और नगर पालिका ने संयुक्त रूप से बड़ी कार्रवाई करते हुए 55 दुकानों को अपने कब्जे में ले लिया। कार्रवाई के दौरान कई दुकानों के ताले कटर से काटे गए, अंदर रखा सामान बाहर निकलवाया गया और इसके बाद दुकानों को सील कर नोटिस चस्पा किए गए। प्रशासन की इस कार्रवाई से अवैध कब्जाधारियों में हड़कंप मच गया। हाल ही में आयोजित टीएल बैठक में नगर पालिका की लगभग 55 दुकानों पर अवैध कब्जे का मामला सामने आया था। मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने नगर पालिका सीएमओ ओमपाल सिंह भदौरिया एवं प्रभारी अध्यक्ष डिप्टी कलेक्टर अंजली शर्मा को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए थे।

इंदौर में 30 जुलाई को बनेगा स्वच्छता का विश्व रिकॉर्ड, शहरवासियों से पांच लाख सेल्फी लेने की अपील

इंदौर (ए.)। स्वच्छता में देश में मिसाल बन चुके इंदौर अब जनभागीदारी का एक नया विश्व रिकॉर्ड बनाने जा रहा है। भारत सरकार के 'सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ' अभियान के अंतर्गत इंदौर में 6 प्रकार के पृथक कचरे के साथ 5 लाख सेग्रीगेशन सेल्फी लेने का लक्ष्य रखा गया है। इसके माध्यम से शहर ऐतिहासिक विश्व रिकॉर्ड बनाने की तैयारी कर रहा है और शहरवासियों से इसमें सहभागी बनने की अपील की गई है।

दरअसल, इंदौर में अलग-अलग प्रकार का कचरा पृथक (सेग्रीगेट) होकर ट्रेंचिंग ग्राउंड तक पहुँचता है। इंदौर को स्वच्छता में सिरमौर बनाने में यही व्यवस्था सबसे महत्वपूर्ण रही है।

स्वास्थ्य प्रभारी अश्विनी शुक्ल ने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत इंदौर के सभी 85 वार्डों में नागरिकों के साथ-साथ सफाई मित्र,

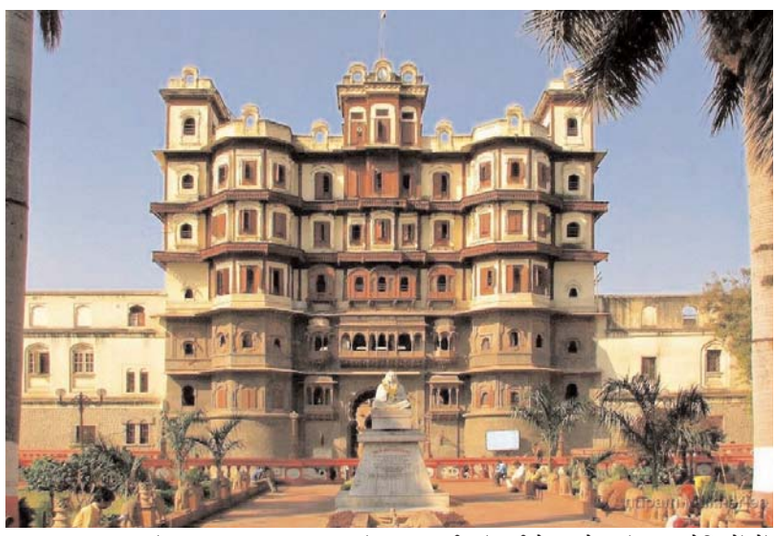

घर-घर कचरा संग्रहण वाहन चालक एवं हेल्पर, स्वच्छता सहयोगी, स्वयंसेवी संस्थाएँ, शैक्षणिक संस्थान, व्यापारी संगठन तथा रहवासी संघ गीले, सूखे एवं अन्य श्रेणियों में पृथक किए गए कचरे के साथ सेल्फी लेकर अभियान में सहभागिता करेंगे।

आसमानी आफतः लगातार बारिश से बालाघाट में नदी-नाले उफने, 24 घंटे में तीन इंच से ज्यादा पानी गिरा, कई मार्ग बंद

बालाघाट (ए.)। मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। मंगलवार शाम से शुरू हुआ बारिश का दौर बुधवार को भी रुक-रुक कर जारी रहा। पिछले 24 घंटों में जिले में करीब तीन इंच (75 मिमी) से अधिक वर्षा दर्ज की जा चुकी है। इस भारी जलभराव के कारण क्षेत्र के नदी-नाले उफान पर हैं और कई प्रमुख मार्गों पर संपर्क टूट गया है।

प्रशासन ने बंद किए कई मार्ग

पानी के तेज बहाव और खतरे के निशान को पार करने के कारण प्रशासन ने सुरक्षात्मक कदम उठाए हैं। खैरलांजी क्षेत्र का दैतबर्रा-मंगलेगांव मार्ग, वारासिवनी-लालबर्रा मार्ग पर स्थित टोंडिया नाला और थानेगांव नाला पूरी तरह से जलमग्न हो चुके हैं।

इन सभी रास्तों पर वाहनों और पैदल चलने वालों का आवागमन पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया गया है। टोंडिया नाले के उफान पर आने से पास के एक ढाबे में भी पानी भर गया है। हालांकि, इस स्थिति में भी कुछ लोग अपनी जान जोखिम में डालकर उफनते नालों को पार करते दिखे, जो बड़ी दुर्घटना को न्योता दे रहे हैं।

अगले 24 घंटे का 'भारी बारिश' अलर्ट

कृषि विज्ञान केंद्र के मौसम वैज्ञानिक धर्मेंद्र अगासे के अनुसार, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने 29 और 30 जुलाई को जिले में अत्यधिक भारी बारिश, तेज आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना जताई है। इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की भी संभावना है।

कंट्रोल रूम नंबर जारी

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि वे उफनती नदी, नालों, और पुल-पुलियों के पास न जाएं और न ही उन्हें पार करने की कोशिश करें। किसी भी जलभराव या आपातकालीन स्थिति में तुरंत कलेक्ट्रेट कंट्रोल रूम से संपर्क करने की हिदायत दी गई है। स्थानीय लोगों को अगले एक-दो दिन सतर्क रहने और सुरक्षित स्थानों पर ही रहने की सलाह दी गई है।

गुरु पूर्णिमा पर भस्म आरती में भांग से सजे बाबा महाकाल, मस्तक पर सूर्य, चंद्रमा से किया दिव्य श्रृंगार

उजाला, (ए.)। आषाढ़ शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि पर बुधवार सुबह विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में भस्म आरती के दौरान बाबा महाकाल के दरबार में हजारों श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। भक्त देर रात से ही कतारों में लगकर अपने आराध्य भगवान महाकाल के दर्शन के लिए इंतजार करते रहे। प्रातः 4 बजे मंदिर के पट खुलने के बाद बाबा महाकाल का अलौकिक श्रृंगार किया गया और भस्म अर्पित की गई। श्रद्धालुओं ने इस दिव्य स्वरूप के दर्शन कर स्वयं को धन्य महसूस किया।

महिला के गंभीर आरोपों से घिरे महामंडलेश्वर ज्ञानदास, बोले- हनी ट्रैप में फंसाने की थी साजिश

उज्जैन (ए.)। उज्जैन के सदावल रोड स्थित दादू आश्रम के महामंडलेश्वर ज्ञानदास पर एक महिला ने दुष्कर्म, मारपीट, जान से मारने की धमकी देने और ब्लैकमेल करने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला ने एसपी कार्यालय पहुंचकर शिकायती आवेदन सौंपा और मामले में एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

वहीं, जब ज्ञानदास से इस संबंध में बात की गई तो उन्होंने कहा कि वह पहले ही पुलिस को आवेदन दे चुके हैं। उनके अनुसार, महिला ने बाद में शिकायत की है। उन्होंने महिला के आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि वह हनी ट्रैप और ब्लैकमेलिंग के जरिए उन्हें फंसाना चाहती थी। उन्होंने कहा, "मुझे राजा रघुवंशी जैसा बनाना चाहती थी, लेकिन मैं उसकी साजिश से बच गया।"

व्यापार समाचार

भारत पर 100% टैरिफ का खतराः अमेरिकी सीनेट में आगे बढ़ा प्रतिबंध बिल; क्या रूसी तेल खरीद बनेगी नई चुनौती?

वाशिंगटन (ए.)। अमेरिकी सीनेट ने रूस पर प्रतिबंध लगाने वाले विधेयक को आगे बढ़ाने की मंजूरी दे दी है। इस विधेयक की वजह भारत और चार अन्य देशों पर 100 फीसदी तक आयात शुल्क (टैरिफ) लगाने का खतरा पैदा हो गया है। यह व्यापक प्रतिबंध विधेयक दिवंगत सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने तैयार किया था। मंगलवार को इसे आगे बढ़ाया गया, उसी समय यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की अमेरिकी संसद भवन पहुंचे थे।

इस विधेयक का मकसद यूक्रेन पर हमले को लेकर रूस पर आर्थिक दबाव बढ़ाना है। चीन के बाद भारत रूस से कच्चा तेल खरीदने वाला दूसरा सबसे बड़ा देश है।

विधेयक को आगे बढ़ाने के लिए मतदान में 86 सांसदों ने इसके पक्ष में और 12 ने इसके खिलाफ मतदान किया। इस विधेयक में रूस के अधिकारियों पर प्रतिबंध लगाने और भारत, चीन, स्लोवाकिया, हंगरी तथा अजरबैजान पर भारी शुल्क (टैरिफ) लगाने की मंजूरी देने

का प्रावधान है। इसका मकसद इन देशों की रूस की ऊर्जा पर निर्भरता को कम करना है।

अप्रैल 2025 में पेश किए गए इस विधेयक को लेकर ग्राहम ने इस साल की शुरुआत में कहा था कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसे मंजूरी दे दी है। यह फैसला अमेरिका और भारत के बीच व्यापारिक तनाव के बीच आया था।

रूस पर प्रतिबंध वाला यह विधेयक ऐसे समय में आया, जब पश्चिम एशिया में जंग के कारण भारत की ऊर्जा निर्भरता रूस पर बढ़ गई है। इस जंग के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही प्रभावित हुई है। ईरान-अमेरिका युद्ध के कारण खाड़ी देशों से आने वाले कच्चे तेल की आपूर्ति रुक गई है। पहले भारत के कुल तेल आयात का करीब 40 फीसदी हिस्सा खाड़ी देशों से आता था। इसके बाद तेल कंपनियों को रूस के कच्चे तेल को मुख्य विकल्प के रूप में अपनाना पड़ा।

सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल ने पहले कहा था कि इस विधेयक में उन देशों को छूट दी जाएगी, जो रूस से गैस खरीदते हैं। लेकिन उनकी खरीद रूस के कुल गैस आयात के 15 फीसदी से कम है।

प्रतिबंध विधेयक का भारत पर कितना असर?

अमेरिका ने पहली बार अगस्त 2025 में रूस के साथ भारत के ऊर्जा व्यापार को लेकर कदम उठाया था। उस समय राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। ट्रंप ने आरोप लगाया था कि भारत पुतिन के युद्ध को बढ़ावा दे रहा है।

बढ़ती कीमतों पर लगाम, चीनी डीलरों के लिए स्टॉक सीमा तय

- 30 दिन से अधिक स्टॉक रखने पर रोक, अधिकतम 4000 क्विंटल की सीमा भी

नई दिल्ली (ए.)। केंद्र सरकार ने चीनी की बढ़ती कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए देशभर में चीनी डीलरों के लिए स्टॉक रखने की सीमा तय कर दी है। अब कोई भी डीलर 30 दिन से अधिक समय तक स्टॉक नहीं रख सकेगा, और न ही किसी भी समय 4,000 क्विंटल से अधिक चीनी स्टॉक में रख पाएगा। यह आदेश 1 अगस्त से 30 नवंबर, 2026 तक लागू रहेगा। सरकार का यह निर्णय पिछले तीन महीनों में चीनी की एक्स-मिल कीमतों में 39 रुपए से बढ़कर 45 रुपए प्रति किलोग्राम तक की वृद्धि के बाद आया है।

पश्चिम एशिया संकट के बावजूद भारत का चावल निर्यात पांच फीसदी बढ़ा, गैर-बासमती बना सहारा

नई दिल्ली (ए.) ।वर्ष 2026 के पहले छह महीनों में भारत का चावल निर्यात पांच फीसदी बढ़कर 12.27 दस लाख मीट्रिक टन हो गया। पिछले साल इसी अवधि में यह 11.68 दस लाख टन था। पश्चिम एशिया में अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच संघर्ष चल रहा है। इससे व्यापार प्रभावित होने के बावजूद भारत ने बेहतर प्रदर्शन किया है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा चावल निर्यातक है, जिसकी वैश्विक बाजार में 40 फीसदी से अधिक हिस्सेदारी है। यह थाईलैंड, वियतनाम और पाकिस्तान जैसे अन्य बड़े निर्यातकों के कुल निर्यात से भी अधिक है। इस वृद्धि से वैश्विक बाजार में चावल की कीमतें नियंत्रित रहने की उम्मीद है। एल नीनो मौसम स्वरूप से उत्पादन पर असर पड़ने की आशंका है। फिर भी, अफ्रीका और एशिया के गरीब देशों को सस्ता चावल उपलब्ध होता रहेगा।

क्या बासमती चावल के निर्यात में कमी आई?

सरकारी अधिकारियों के अनुसार, बासमती चावल का निर्यात 5.5 फीसदी कम होकर 3.36 दस लाख टन रह गया। ईरान समेत कुछ खाड़ी देशों में व्यापार प्रभावित होने से यह गिरावट दर्ज की गई।

डीमार्ट ने शुरू किया फार्मेसी बिजनेस, दवाओं पर 20 फीसदी तक छूट

- मुंबई में चुनिंदा स्टोर्स में शुरू हुआ शॉप-इन-शॉप मॉडल

मुंबई (ए.)। रिटेल सेक्टर की दिग्गज कंपनी एवेन्यू सुपरमार्ट्स (डीमार्ट) ने अब हेल्थकेयर सेक्टर में कदम रखा है। अपने रोजाना कम कीमत मॉडल के लिए मशहूर यह कंपनी राधाकिशन दमानी की अगुवाई में मुंबई में फार्मेसी रिटेल बिजनेस का पायलट प्रोजेक्ट चला रही है, जहां ग्राहकों को दवाओं पर 20 फीसदी का सीधा डिस्काउंट दिया जा रहा है। यह पहल दवाओं के बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ाने की तैयारी में है। डीमार्ट अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी रिफ्लेक्ट हेल्थकेयर एंड रिटेल प्राइवेट लिमिटेड (आरएचआरपीएल) के माध्यम से मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन (एमएमआर) में शॉप-इन-शॉप मॉडल पर फार्मेसी काउंटर संचालित कर रहा है। इससे कंपनी को नए स्टोर के किराए और ग्राहक अधिग्रहण लागत से बचने में मदद मिल रही है। आरएचआरपीएल ने वित्त वर्ष 24-25 में 12.92 करोड़ रुपए का राजस्व अर्जित किया है, हालांकि विस्तार के कारण घाटा भी बढ़कर 2.45 करोड़ रुपए हो गया।

आरडी इंडस्ट्रीज का 426 करोड़ का आईपीओ 5 अगस्त से

नई दिल्ली (ए.)। सर्कुलर इकोनॉमी क्षेत्र में कार्यरत आरडी इंडस्ट्रीज लिमिटेड का 426 करोड़ रुपए का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 5 अगस्त को खुलेगा। कंपनी ने इसके लिए प्रति शेयर 50-53 रुपए का मूल्य दायरा तय किया है। बड़े (एंकर) निवेशक 4 अगस्त को बोली लगा सकेंगे। यह आईपीओ 7 अगस्त को बंद होगा। निर्गम में 320 करोड़ रुपए के नए शेयर जारी होंगे, जबकि प्रवर्तक 1.99 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश लाएंगे। नए शेयर से 220 करोड़ रुपए कार्यशील पूंजी और 22 करोड़ रुपए कर्ज चुकाने में इस्तेमाल होंगे। आरडी इंडस्ट्रीज ऊर्जा भंडारण उत्पादों और गैर-लौह धातु कबाड़ का पुनर्चक्रण कर शुद्ध सीसा एवं सीसा मिश्रधातु का विनिर्माण करती है। कंपनी के शेयर 12 अगस्त को सूचीबद्ध हो सकते हैं।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

>>> सेंसेक्स 889, निफ्टी 265 अंक उछला

मुंबई (ए.) । भारतीय शेयर बाजार बुधवार को बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बीच ही खरीददारी हावी रहने से आई है। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव घटने से भी बाजार में तेजी आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 889 अंक उछलकर 77,654.60 पर बंद हुआ, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 265 अंक बढ़कर 24,250.20 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान व्यापक बाजारों में भी अच्छी बढ़त दर्ज की गई, निफ्टी मिडकैप और स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 1.48 बढ़त रही। आज रियल एस्टेट के अलावा सभी सूचकांक हरे निशान में बंद हुए। आईटी, मीडिया, मेटल, फार्मा, टेलीकॉम, प्राइवेट बैंक, एफएमसीजी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में बढ़त रही।

निफ्टी 50 इंडेक्स में, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज, हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड, इंफोसिस, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज और लार्सन एंड टुब्रो (एल एंड टी) सबसे ज्यादा लाभ कमाने वाले शेयरों में शामिल रहे। वहीं महिंद्रा एंड महिंद्रा (एम एंड एम), पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन, आयशर मोटर्स, बजाज-ऑटो, बीईएल, ओएनजीसी और एचडीएफसी लाइफ के शेयरों को नुकसान हुआ।

निवेशकों को आज बाजार पूंजीकरण बढ़ने से एक ही सत्र में 4 लाख करोड़ रुपए का लाभ

हुआ। बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण आज पिछले सत्र के 479 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 483 लाख करोड़ रुपए से अधिक पहुंच गया। वहीं इससे पहले आज सुबह पश्चिमी एशिया में बढ़ते तनाव और मिले-जुले वैश्विक संकेतों के बाद भी शेयर बाजार में शानदार तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स 701.41 अंक की उछाल के साथ 77,467.33 पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 50 भी 204 अंक चढ़कर 24,190.40 के स्तर पर पहुंच गया।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

मेसी की विरासत दागदार

फाइनल में अर्जेंटीना की टीम ना सिर्फ खराब खेली और हारी, बल्कि उसने शर्मनाक व्यवहार भी किया, इससे लायोनेल मेसी की विरासत दागदार हुई है। लेकिन कुल मिलाकर दागदार फुटबॉल का पूरा प्रशासन हुआ है।

डॉनल्ड ट्रंप के दौर में अमेरिका के अंदर और बाहर नियम-कायदों और मर्यादा को तार-तार करने गहराती गई संस्कृति का पूरा साया उसकी मेजबानी में हुए दुनिया के सबसे खेल आयोजन- यानी फुटबॉल कप पर नजर आया। 39 दिन तक चले टूर्नामेंट के दौरान ये धारणा फैली कि इस टूर्नामेंट पर ट्रंप युग और ट्रंपीय कायदों का साया पड़ा हुआ है। ट्रंप की इच्छाओं के आगे फीफा के घुटने टेकने और रेफरी तथा वीडियो एस्टिटैंट रेफरी (वीएआर) के लगातार अविश्वसनीय एवं खराब निर्णयों ने ऐसे संदेहों को लगातार बल प्रदान किया। स्वाभाविक है कि ऐसे फैसलों से बार-बार लाभान्वित हुई अर्जेंटीना की टीम बहुत से फुटबॉल प्रेमियों के गुस्से का निशाना बनी।

इस हद तक कि पहली बार ऐसा हुआ, जब बीच प्रतियोगिता के दौरान किसी टीम (अर्जेंटीना) को टूर्नामेंट से निकालने के लिए ऑनलाइन मुहिम चलाई गई, जिस अर्जी पर 60 लाख से ज्यादा लोगों ने दस्तखत किए। ये कथन आम हो गया कि अर्जेंटीना के खिलाफ मैदान में उतरी टीम को रेफरी और फीफा का भी मुकाबला करना पड़ रहा है। संभवत: अर्जेंटीना के खिलाड़ी भी मानने लगे कि उनकी पीठ पर किसी का हाथ है! तभी फाइनल मैच में स्पेन से 1-0 से हार को गले उतारना उनके लिए कठिन हुआ और खेल के सबसे बड़े मंच पर वे मारपीट पर उतारू हो गए। उचित ही उनके हिंसक व्यवहार की फुटबॉल की दुनिया में व्यापक रूप से निंदा की गई है।

यह सब अपनी उम्दा कलाबाजी के लिए मशहूर, इतिहास के महानतम खिलाड़ियों में से एक- लायोनेल मेसी के नेतृत्व में हुआ, जिससे उनके करोड़ों प्रशंसकों को ठेस पहुंची है। फाइनल मैच में उनकी टीम ना सिर्फ खराब खेली और पराजित हुई, बल्कि उसने शर्मनाक व्यवहार भी किया, इससे मेसी की विरासत दागदार हुई है। लेकिन कुल मिलाकर दागदार फुटबॉल का पूरा प्रशासन हुआ है। फीफा इस पर खुश है कि उसने इस टूर्नामेंट के जरिए आमदनी का रिकॉर्ड बनाया है, लेकिन अनेक देशों की फुटबॉल एसोसिएशन और करोड़ों प्रशंसक इस 'खूबसूरत खेल' के सबसे बड़े टूर्नामेंट का बदसूरत आयोजन करने की उसकी भूमिका को लेकर फिलहाल विचलित हैं।

भगवान और भक्तों के नए भारत में लड़ाई संभव नहीं

हरिशंकर

बेचारे सोनम वांगचुक! सांस मोदी के हिंदू राष्ट्र में ले रहे हैं बावजूद इसके माने बैठे हैं कि 'जनमत को जागरूक करना और सत्ता में बैठे लोगों को समझाना, एक ही सिक्के के दो पहलू हैं'। बारह वर्षों के अनुभवों में वांगचुक इतना भी नहीं समझ पाए कि मौजूदा हिंदू राष्ट्र के सिक्के के दो पहलू नहीं हैं। उसे इधर पलटिए या उधर, दोनों तरफ एक ही चेहरा है- नरेंद्र मोदी का। वही भक्तों के कलियुगी भगवान है। तभी हिंदू मानस में भगवान से जवाब-तलब नहीं होता, केवल पूजा, दर्शन और भक्ति होती है। तो कौन सा जनमत, कैसी जागरूकता और कैसी जवाबदेही?

इस सत्य का सबूत हजार साला गुलामी भी है। राम मंदिर टूटा, आक्रमण हुए, अपमान और पराधीनता का लंबा दौर बीता, लेकिन बहुसंख्यक हिंदू समाज ने कभी अपने आराध्य से यह प्रश्न नहीं किया कि 'आपके रहते यह सब क्यों हुआ'? न ही उसके भीतर. दिमाग में यह आत्ममंथन बना कि हम हर संकट का समाधान स्वयं बनने के बजाय किसी भगवान, किसी अवतार, किसी उद्धारकर्ता की प्रतीक्षा में क्यों बैठे रहते हैं?

इक्कीसवीं सदी के कथित हिंदू राष्ट्र का भी यही सत्य है। हिंदू अब नागरिक नहीं भीड़ और भक्त में कनवर्ट है। इसलिए क्योंकि नागरिक सवाल पूछता है, जवाबदेही मांगता है। वह सत्ता को अपने प्रति उत्तरदायी मानता है। जबकि भक्त प्रश्न नहीं करता; वह आस्था में जीता है और मोदी के हर निर्णय को भगवान की लीला माने रहता है।

इसलिए सोचें, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सौ सालों के चाल, चेहरे, चरित्र ने हिंदुओं को कैसा 'अवतार' दिया? सदियों से किसी उद्धारकर्ता की प्रतीक्षा करते समाज के सामने अंतत: नरेंद्र मोदी ऐसे स्थापित हुए कि वे या तो भगवान हैं, या मोदी ही भारत और भारत ही मोदी है। मोदी के हिंदू राष्ट्र में उन्ही की, अकेली की एक केंद्रित सत्ता है, जिसके सामने राष्ट्रपति, मंत्रिमंडल, संसद और भाजपा जैसी राजनीतिक पार्टी सभी गौण है।

2047 तक भारत अमीर बनेगा या सिर्फ अमीरों का भारत?

प्रो. आरके जैन अरिजीत

2047 में जब भारत अपनी आज़ादी का शताब्दी वर्ष मनाएगा, तब दुनिया केवल हमारी अर्थव्यवस्था का आकार नहीं, बल्कि यह भी परखेगी कि उस समृद्धि में कितने भारतीय सहभागी बने। प्रश्न यह नहीं होगा कि भारत 25 या 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन गया, बल्कि यह होगा कि आर्थिक शक्ति अंतिम व्यक्ति तक पहुंची या नहीं। क्या विकसित भारत का सपना हर नागरिक की वास्तविकता बनेगा, या केवल संपन्न वर्ग की उपलब्धि रह जाएगा? आज भारत जिस विकास पथ पर बढ़ रहा है, उसकी रफ्तार प्रभावशाली है, लेकिन दिशा पर गंभीर मंथन आवश्यक है। विकास तब तक अधूरा है, जब तक उसका लाभ सीमित वर्ग से निकलकर पूरे राष्ट्र तक नहीं पहुंचता। अन्यथा वह प्रगति नहीं, असमानता का विस्तार बन जाती है। इसलिए 2047 का सबसे बड़ा प्रश्न केवल आर्थिक नहीं, सामाजिक और नैतिक भी है।आज के आर्थिक संकेतक उम्मीद जगाते हैं। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय आकलनों के अनुसार, यदि भारत अगले दो दशकों तक 7.5-8% की वृद्धि बनाए रखता है, तो 2047 तक उसकी अर्थव्यवस्था 25-35 ट्रिलियन डॉलर (ईवाई, पीएचडीसीसीआई सहित विभिन्न आकलनों के अनुसार) तक पहुंच सकती है। प्रति व्यक्ति आय 15,000-22,000 डॉलर रहने का अनुमान है। करोड़ों लोगों का गरीबी रेखा से बाहर निकलना बड़ी उपलब्धि है। लेकिन तस्वीर का दूसरा पहलू चिंताजनक है। विश्व असमानता रिपोर्ट 2026 के अनुसार राष्ट्रीय आय का 58% शीर्ष 10% आबादी के पास है, जबकि निचली 50% आबादी को केवल 15% आय मिलती है। कुल संपत्ति का 65% शीर्ष 10% के पास केंद्रित है, जबकि आधी आबादी के हिस्से में महज 6% संपत्ति है। यह केवल आंकड़ों का अंतर नहीं, बल्कि विकास मॉडल का प्रतिबिंब है।

असल चुनौती विकास की रफ्तार नहीं, उसकी प्रकृति है। भारत की आर्थिक वृद्धि मुख्यत: पूंजी-गहन उद्योगों, प्रौद्योगिकी और सेवा क्षेत्र पर आधारित रही है। इन क्षेत्रों ने राष्ट्रीय आय बढ़ाई, लेकिन व्यापक रोजगार

नहीं दिए। श्रम-गहन विनिर्माण अपेक्षित गति नहीं पकड़ सका। नतीजतन हर वर्ष लाखों युवा रोजगार बाजार में उतरते हैं, पर गुणवत्तापूर्ण अवसर नहीं मिलते। मध्यम वर्ग पर दबाव बढ़ रहा है और सामाजिक गतिशीलता धीमी पड़ रही है। पीएलएफएस 2025-26 के अनुसार महिला श्रम बल भागीदारी बढ़कर लगभग 32-40% (शहरी क्षेत्रों में करीब 25%) हुई है, फिर भी उभरती अर्थव्यवस्था के लिए यह पर्याप्त नहीं है। कृषि से उद्योग और सेवाओं की ओर श्रमिकों का संक्रमण भी सुस्त है, जिससे करोड़ों लोग कम उत्पादकता वाले कार्यों में अटके हैं। यही वजह है कि विकास के आंकड़े चमकते हैं, लेकिन उनकी रोशनी समाज के बड़े हिस्से तक नहीं पहुंचती। यह असमानता केवल आय की नहीं, अवसरों की भी है। देश का एक छोटा वर्ग विश्वस्तरीय अस्पतालों, निजी विश्वविद्यालयों, आधुनिक कौशल संस्थानों और वैश्विक सुविधाओं तक पहुंच रखता है, जबकि करोड़ों लोग आज भी गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य, शिक्षा और कौशल विकास से वंचित हैं। क्षेत्रीय विषमता भी गहरा रही है। कुछ राज्य निवेश, उद्योग और अधोसंरचना के दम पर तेज़ी से आगे बढ़ रहे हैं, जबकि अनेक राज्य विकास की दौड़ में पीछे छूट रहे हैं। यदि यही तस्वीर बनी रही, तो 2047 में भारत 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था होने का दावा करेगा, लेकिन उसके भीतर दो भारत बसेंगे—एक समृद्ध, आधुनिक और अवसरों से परिपूर्ण; दूसरा अभाव, सीमित संभावनाओं और संघर्ष से घिरा। ऐसी खाई किसी विकसित राष्ट्र की नहीं, असंतुलित विकास की पहचान है। यही रास्ता भारत को मध्य-आय जाल (मिडिल-इनकम ट्रैप) की ओर ले जा सकता है। दुनिया के अनेक देशों ने शुरुआती दौर में तेज़ आर्थिक वृद्धि हासिल की, लेकिन मानव पूंजी, उत्पादकता और समावेशी संस्थागत सुधारों की अनदेखी ने उनकी प्रगति ठहरा दी। भारत के सामने भी यही चुनौती है। हमारा जनसांख्यिकीय लाभांश दुनिया का सबसे बड़ा अवसर है, पर यदि करोड़ों युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक कौशल और उत्पादक रोजगार नहीं मिले, तो यही शक्ति भविष्य का सबसे बड़ा आर्थिक और सामाजिक दायित्व बन सकती है।

उधर जलवायु परिवर्तन, जल संकट और बढ़ता शहरी दबाव विकास की राह कठिन बनाएंगे। इसलिए केवल निवेश जुटाना या जीडीपी बढ़ाना पर्याप्त नहीं होगा; विकास की गुणवत्ता और समावेशिता को भी समान प्राथमिकता देनी होगी। आशा की सबसे मजबूत वजह यही है कि भारत के पास संभावनाओं का अभाव नहीं, विकल्पों की प्रचुरता है। डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, नवाचार से संचालित स्टार्टअप संस्कृति और सुदृढ़ लोकतांत्रिक व्यवस्था हमारी ऐसी ताकतें हैं, जिन पर समावेशी विकास की नई इमारत खड़ी की जा सकती है। आवश्यकता केवल विकास की प्राथमिकताएं बदलने की है। पूंजी निर्माण के साथ उसे रोजगार सृजन की धुरी बनाना होगा। श्रम-गहन विनिर्माण, निर्यातोन्मुख उद्योग और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों में नई ऊर्जा भरनी होगी। शिक्षा और स्वास्थ्य में बड़े निवेश से मानव पूंजी सशक्त करनी होगी। क्षेत्रीय संतुलन ऐसा हो कि विकास कुछ महानगरों तक सीमित न रहे, बल्कि हर राज्य और जिले तक पहुंचे।

खैर, माफ करना 'एचो' यह कृतघ्न लोगों का देश है

अजीत द्विवेदी

उनको 'सर' कहा जाता है। लद्दाख की अपनी भाषा में 'कागा ली' यानी 'सर'। वे अभी 59 साल के हैं, लेकिन जब 30 साल के थे तब भी लद्दाख के ज्यादातर लोग उनको 'एचो' यानी बड़ा भाई कहते थे। वे अपनी उम्र के आधार पर बड़ा भाई नहीं कहे जाते हैं और न किसी स्कूल का अध्यापक होने के नाते 'सर' कहे जाते हैं। 'बड़ा भाई' और 'सर' ये दोनों उपाधियां उन्हें लद्दाख के लोगों ने देश, समाज और मानवता के प्रति उनके योगदान को देखते हुए उनके प्रति सहज स्नेह में दी है।

तभी जब शुक्रवार की रात को सोनम वांगचुक का एक वीडियो देखा, जिसमें वे इस बात की सफाई दे रहे थे कि उन्होंने किसी के साथ कोई डील नहीं की है और उन्हें किसी से अपनी पवित्रता का प्रमाणपत्र नहीं लेना है, तो बड़ी तकलीफ हुई। लगा कि हम कितने कृतघ्न लोग हैं, जिन्होंने एक ऐसे व्यक्ति को, जो बौनों की जमात में 'पूरा आदमकद' है, उसको ऐसी स्थिति में डाल दिया है!

सचमुच जो लोग सोनम वांगचुक के लिए कह रहे हैं कि वे सरकार से मिले हुए थे, उन्होंने सरकार से समझौता कर लिया, वे सरकार के एजेंट हैं, उन्होंने कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियों के आंदोलन को कमजोर किया और अंत में सरकार से डील कर ली आदि आदि उनको नहीं पता है वे क्या कह रहे हैं। उनके नेता जिस समय यूरोप में छुट्टी मना रहे थे उस समय सोनम वांगचुक दिल्ली की 45 डिग्री की गर्मी में भूख हड़ताल पर बैठे। उन्होंने अच्छा कहा कि लद्दाख की कड़ाके की ठंड छोड़ कर वे दिल्ली की भीषण गर्मी में अनशन पर बैठे थे। क्या उस समय उद्धव ठाकरे की पार्टी के संजय राउत और राहुल गांधी की पार्टी के इमरान मसूद को समझ में आया था कि सोनम वांगचुक सरकार के एजेंट हैं?

अगर उनको समझ में आ गया था कि सोनम वांगचुक सरकार के एजेंट हैं और एक समय आने पर वे समझौता कर लेंगे तो उसी समय उन्होंने खुद का आंदोलन क्यों नहीं शुरू कर दिया? क्यों नहीं संजय राउत या इमरान मसूद भूख हड़ताल पर बैठ गए? सबसे बड़ा सवाल तो यह है कि सोनम वांगचुक ने जो किया उसमें कांग्रेस या किसी दूसरी विपक्षी पार्टी का क्या योगदान है? क्या किसी ने उनका सहयोग किया, कोई उनके साथ बैठने गया, किसी ने उनका समर्थन किया? जब कुछ किया ही नहीं तो यह हिसाब किताब लेने का अधिकार किसने दे दिया कि वे किसके एजेंट हैं और क्यों समझौता कर लिया? क्या आपकी मंशा यह थी कि वे भूख हड़ताल पर मर क्यों नहीं गए?

ध्यान रहे सोनम वांगचुक किसी विपक्षी नेता के गुलाम नहीं हैं कि उनसे पूछ कर भूख हड़ताल शुरू करेंगे और उनसे पूछ कर हड़ताल समाप्त करेंगे। वे एक गांधीवादी सामाजिक कार्यकर्ता हैं, एक श्रेष्ठ शिक्षक हैं, एक अनुसंधानकर्ता हैं, एक प्रयोगशील व्यक्ति हैं और सबसे ऊपर उनके

फिर प्रोमिथियस की कहानी याद आई और मनुष्यों का उसके प्रति व्यवहार ध्यान आया। प्रोमिथियस को जब इंसानों की तकलीफ नहीं देखी गई तो उसने स्वर्ग से आग चुरा कर इंसानों को दिया था। इस काम से नाराज होकर जब स्वर्ग के देवताओं ने प्रोमिथियस को सलीब पर लटकाया तो इंसान उसकी तकलीफों पर ताली बजा रहे थे। यह इंसानी कृतघ्नता चिरंतन है। तभी सोनम वांगचुक के प्रति हमारी कृतघ्नता अपवाद नहीं हैं। परंतु वे ईसा मसीह की तरह इतने उदार तो हैं ही कि इंसानों के लिए कह सकें, 'हे प्रभु इन्हें माफ करना, ये नहीं जानते कि ये क्या कर रहे हैं'।

अंदर बुद्ध की करुणा है। जिस समय कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियों के नेताओं ने छात्रों को उनके हाल पर छोड़ दिया था उस समय सोनम वांगचुक को लगा कि देश के छात्र और युवा आक्रोश से भरे हैं और उनके गुस्से को एक सही दिशा देने की आवश्यकता है।

इसलिए वे कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन में शामिल हुए और आठ दिन तक हालात का आकलन करने के बाद 28 जून से भूख हड़ताल शुरू की। वे छात्रों और युवाओं के आंदोलन की नैतिक शक्ति थे। उनकी भूख हड़ताल ने देश भर के छात्रों को किसी न किसी रूप में इस आंदोलन का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित किया। युवाओं में यह धारणा बनी कि लद्दाख से आकर एक व्यक्ति बिना किसी स्वार्थ के उनके लिए अपनी जान दांव पर लगा रहा है इसलिए उनको भी कुछ करना चाहिए।

अगर किसी को लग रहा है कि सोनम वांगचुक भूख हड़ताल नहीं करते तब भी 'जेन जी' इतना बड़ा आंदोलन कर देता तो वह मूर्खों के स्वर्ग में रह रहा है। उसे पता नहीं है कि इस देश में युवाओं के हर आंदोलन को नैतिक शक्ति वाले किसी बुजुर्ग ने ही दिशा दी है। आजादी की लड़ाई को गांधी ने, दूसरी आजादी की लड़ाई को जेपी ने और भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई को अन्ना हजारे ने दिशा दी थी। ध्यान रहे 'जेन जी' के इस आंदोलन में भी किसी अभिजीत दिपके या आशुतोष रांका या सौरव दास का कोई मतलब नहीं है।

ये सब छह जून को जंतर मंतर पर प्रदर्शन करके जा चुके थे और उसके बाद दिपके ने जयपुर में प्रदर्शन किया था, जहां उनके ऊपर हमला भी हुआ था। उसके बाद वे नागपुर गए थे। कहीं भी कोई ऐसा रिस्पांस नहीं मिला, जिससे लगे कि देश के युवा उनके साथ जुड़ रहे हैं। देश के छात्र और युवा सोनम वांगचुक की नैतिक आभा से इस आंदोलन से जुड़े। यह आंदोलन इतना बड़ा इसलिए हुआ क्योंकि सोनम वांगचुक ने सत्य और अहिंसा के रास्ते पर चल कर अपना जीवन होम करने का निर्णय किया था।

इसलिए यह देखना तकलीफदेह है कि उनके इस महान योगदान पर सवाल उठाए गए और उनको सफाई देनी पड़ी। सोनम वांगचुक सही अर्थों में गांधीवादी हैं। गांधी की तरह उनका जीवन ही उनका उपदेश है। दिल्ली में एक केंद्रीय विद्यालय से पढ़ाई और श्रीनगर एनआईटी से मैकेनिकल इंजीनियर की डिग्री लेकर अच्छी जगह नौकरी करने की बजाय वांगचुक 1988 में लद्दाख लौटे थे। उस समय सरकारी स्कूलों में पढ़ाई की जो व्यवस्था थी और तरीका था उसमें सिर्फ पांच फीसदी लद्दाखी बच्चे बोर्ड की परीक्षा पास करते थे।

वहां सोनम वांगचुक ने 'स्टूडेंट्स एजुकेशनल एंड कल्चरल मूवमेंट ऑफ लद्दाख' शुरू किया। उन्होंने पढ़ाई का तरीका और शिक्षा की माध्यम भाषा दोनों को बदल दिया। उन्होंने परीक्षा में फेल हुए छात्रों के लिए 'स्कूल फॉर फेल्योर्स' शुरू किया। इसके बाद की कहानी लद्दाख के इतिहास के सबसे चमकदार अध्याय के रूप में दर्ज है। सोनम वांगचुक ने हजारों छात्रों का जीवन बदल दिया। जैसे गांधी की बुनियादी शिक्षा थी, वैसे सोनम ने लद्दाख की शिक्षा को लोगों की भाषा, उनकी संस्कृति और उनकी आवश्यकताओं से जोड़ दिया।

बाद में उन्होंने 'ऑपरेशन न्यू होप' शुरू किया और फिर अपनी पत्नी गीतांजली जे आंगमो के साथ मिल कर 'हिमालयन इंस्टीट्यूट ऑफ ऑल्टरनेटिव लद्दाख' यानी एचआईएएल शुरू किया। उन्हें टिकाऊ विकास और टिकाऊ आवास की अवधारणा विकसित की और ऐसे घर बनाए, जो लद्दाख की जमा देने वाली ठंड में भी 15 डिग्री तक गर्म रहें। यह चमत्कार उन्होंने सौर ऊर्जा के इस्तेमाल से किया। उन्होंने 'कॉनिकल आर्टिफिशयल ग्लेशियर', जिसे आम बोलचाल में 'हिम स्तूप' कहा जाता है उसे विकसित किया। इससे सर्दियों में बर्फ को इकट्ठा करके गर्मियों में पीने और सिंचाई के लिए पानी का बंदोबस्त किया जाता है। उन्होंने अपनी शिक्षा और ज्ञान से लद्दाख के लोगों का जीवन बदल दिया।उन्होंने शिक्षा को पाठ्यक्रम और किताबों से निकाल कर लोगों के जीवन का हिस्सा बना दिया। अगर ऐसा व्यक्ति छात्रों और युवाओं के आंदोलन का नेतृत्व नहीं करता तो भला कौन करता! उन्होंने अपनी नैतिक जिम्मेदारी निभाई।आंदोलन सफल हुआ तो सब उसका श्रेय ले रहे हैं।

मेष राशि- आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आज किसी बड़े मामले पर समझौता करने और सहयोग करने के लिए आप तैयार रहें। कई दिनों से रुके हुए काम आज पूरे हो जाएंगे जिससे आपका मनोबल बढ़ेगा।

वृष राशि- आज आपका दिन बढ़िया रहने वाला है। आज घर के किसी जरूरी काम में आपको जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा, जिससे कार्य जल्द पूरा करने में सफलता मिलेगी। ऑफिस के कामों में दूसरों की राय लेनें से बचें, बेहतर यही होगा की किसी भरोसेमंद पारिवारिक व्यक्ति से काम में मदद लें तो काम आसानी से पूरे होंगे।

मिथुन राशि- आज आपका दिन उत्साहवर्धक रहेगा। खिलाड़ियों के लिए दिन अच्छा रहेगा उन्हे अपने आईडीयल कोच का आज मार्गदर्शन मिलेगा। आज आपको महत्वपूर्ण समाचार मिल सकता है। आज कोर्ट कचहरी के मामलों में जीत हासिल हो सकती है। सामाजिक परिवेश मे आपका और बढ़ेगा लोग आपसे प्रेरित होंगे।

कर्क राशि-आज आपका दिन सार्थक रहेगा। आज कारोबार में सफलता और नौकरी में तरक्की के नए अवसर मिलने से आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। आपकी गुम हुई कीमती वस्तु आज अचानक मिल जाएगी। कारोबार में धन प्राप्ति की दिशा में किए गए प्रयास आज सफल होंगे।

सिंह राशि- आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रही रहेगी। आज अपने कामों में कामयाबी का परचम लहरायेंगे। आज खुद को मेंटली और फिजिकली फिट महसूस करेंगे।

कन्या राशि- आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आपका रुझान रचनात्मक कार्यों की तरफ ज्यादा रहेगा। नयी प्रॉपर्टी खरीदने के लिए आज का दिन शुभ है। घर की साज-सजावट के लिए घरेलू उपकरणों से जुड़ी खरीददारी करने के लिए जीवनसाथी के साथ मार्केट जायेंगे।

तुला राशि- आज आपका दिन नयी उमंगों से भरा रहने वाला है। आज किसी काम को पूरा करने का प्रयास सफल रहेगा। आज आपका स्वास्थ्य पहले से काफी अच्छा रहेगा। आध्यात्म के प्रति आपकी रुचि बढ़ेगी।

वृश्चिक राशि- आज का दिन लकी साबित होगा। आज के दिन की शुरुआत अच्छे विचारों से होगी। जो लोग मिट्टी के व्यवसाय से जुड़े है उनके लिए आज का दिन काफी लाभदायक रहेगा। अनुभवी लोगों के मार्गदर्शन से आपको सफलता के नए रास्ते मिलेंगे। खासकर युवा सोशल मीडिया पर व्यर्थ में समय न गवाएं अपने करियर के प्रति ईमानदारी बरतें।

धनु राशि-आज आपका दिन अच्छा रहेगा। शांत और एकाग्र मन से कार्य को पूरा करने की कोशिश करें, तो कार्य जरूर पूरे होंगे। प्रतियोगी छात्र समय का सदुपयोग करके आने वाली परीक्षाओं में मनचाही सफलता हासिल कर सकते हैं। आज आपके आत्मविश्वास का स्तर अच्छा रहने के कारण आपके कार्य अच्छी गति से आगे बढ़ेंगे।

मकर राशि- आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। आज व्यापार को बढ़ाने के लिए नए अवसर मिलेंगे।आज शैक्षणिक कार्यों में आपका मन लगेगा। प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी में जुटे छात्रों को अच्छे परिणाम मिलेंगे।

कुंभ राशि- आज का दिन आपके जीवन में नयी खुशियां लेकर आएगा। आपका रुझान अध्यात्म के प्रति अधिक रहेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। आज आपको किसी सामाजिक समारोह में जाने का मौका मिलेगा, जहां नए संपर्क बनेंगे जिसका आने वाले समय में आपको लाभ होगा।

मीन राशि- आज का दिन आपके लिए बहुत बढ़िया रहेगा। अगर आप नया काम शुरू करने की सोच रहे हैं, तो इसमें आपको परिवार का पूरा साथ मिलेगा। आज आपको अपने कार्यक्षेत्र में सफलता हासिल होने वाली है। आज करियर को लेकर लाभ मिलने वाला

नामत्सो: तिब्बत की 'स्वर्गीय झील', जहां प्रकृति, आस्था और संस्कृति का अद्भुत संगम

ओमप्रकाश सिंह

तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में ल्हासा से लगभग 240 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम स्थित नामत्सो झील केवल एक प्राकृतिक जलाशय नहीं बल्कि तिब्बती संस्कृति, बौद्ध आस्था और वैज्ञानिक शोध का महत्वपूर्ण केंद्र है। तिब्बती भाषा में ग्नाम त्सो कहलाने वाली इस झील का अर्थ स्वर्गीय झील है। इसे तिब्बत की सबसे पवित्र झीलों में गिना जाता है और हर वर्ष हजारों श्रद्धालु यहां आध्यात्मिक साधना और तीर्थयात्रा के लिए पहुंचते हैं।

समुद्र तल से करीब 4,718 मीटर की ऊंचाई पर स्थित नामत्सो दुनिया की सबसे ऊंचाई पर स्थित बड़ी खारे पानी की झीलों में शामिल है। लगभग 1,920 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैली यह झील करीब 70 किलोमीटर लंबी और 30 किलोमीटर चौड़ी है। इसकी अधिकतम गहराई लगभग 125 मीटर है। झील को मुख्य रूप से न्येनचेन तांगला पर्वतमाला से आने वाले हिमनदों के पिघले पानी और मौसमी जलधाराओं से जल मिलता है।

नामत्सो का प्राकृतिक सौंदर्य इसे एशिया के सबसे आकर्षक स्थलों में स्थान दिलाता है। नीले जल, बर्फ से ढंके पर्वत, विस्तृत घास के मैदान और गर्मियों में खिलने वाले जंगली फूल यहां की पहचान हैं। सर्दियों में पूरी झील बर्फ की मोटी चादर से ढंक जाती है।कठोर जलवायु के बावजूद यह क्षेत्र जैव विविधता से समृद्ध है। यहां तिब्बती हिरण, कियांग, नीली भेड़, हिमालयी मर्मोट और तिब्बती लोमड़ी जैसे दुर्लभ वन्यजीव पाए जाते हैं। झील के आसपास की आर्द्रभूमि बार-हेडेड गूज, रड्डी शेलडक, ब्राउन-हेडेड गल और संकटग्रस्त ब्लैक-नेक्ड क्रेन जैसे प्रवासी पक्षियों का भी महत्वपूर्ण आवास है।

नामत्सो सदियों से तिब्बती घुमंतू समुदाय

द्रोकपा का निवास क्षेत्र रहा है। इनकी आजीविका याक, भेड़ और बकरियों के पालन पर आधारित है। पारंपरिक याक के बालों से बने तंबू, मक्खन वाली चाय, ऊनी वस्त्र और पशुपालन यहां की सांस्कृतिक पहचान हैं।

तिब्बती बौद्ध धर्म में नामत्सो को चार प्रमुख पवित्र झीलों में गिना जाता है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि झील की परिक्रमा और यहां प्रार्थना करने से पापों का नाश होता है तथा आध्यात्मिक पुण्य की प्राप्ति होती है। लगभग 70 से 80 किलोमीटर लंबी नामत्सो कोरा परिक्रमा को अनेक श्रद्धालु कई दिनों में पैदल पूरी करते हैं, जबकि कुछ श्रद्धालु दंडवत प्रणाम करते हुए पूरी यात्रा संपन्न करते हैं। तिब्बती पंचांग के अनुसार भेड़ वर्ष में, जो हर 12 वर्ष में आता है, यहां हजारों श्रद्धालु एकत्र होते हैं।

बौद्ध धर्म के आगमन से पहले भी यह झील बोन धर्म के अनुयायियों के लिए अत्यंत पवित्र मानी जाती थी। बाद में तिब्बती बौद्ध परंपरा ने इन मान्यताओं को अपने धार्मिक दर्शन में समाहित कर लिया। झील के निकट स्थित न्येनचेन तांगला पर्वत को नामत्सो का दिव्य सहचर माना जाता है। नामत्सो के द्वीपों और चट्टानों पर स्थित गुफाओं और आश्रमों में बौद्ध भिक्षु लंबे समय तक ध्यान और साधना करते रहे हैं। ऐतिहासिक विवरण बताते हैं कि कई साधक पूरी गर्मियां इन निर्जन द्वीपों पर बिताते थे और सर्दियों में झील जमने के बाद ही वापस लौटते थे।

धार्मिक महत्व के साथ-साथ नामत्सो वैज्ञानिक अनुसंधान का भी प्रमुख केंद्र बन चुका है। नामत्सो मल्टीस्फीयर ऑब्जर्वेशन एंड रिसर्च स्टेशन के वैज्ञानिक यहां जलविज्ञान, जलवायु, हिमनदों और पारिस्थितिकी तंत्र पर लगातार अध्ययन कर रहे हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार तापमान में वृद्धि, वर्षा के बदलते स्वरूप और तेजी से पिघलते हिमनदों का असर झील के जलस्तर और पूरे तिब्बती पठार की जल प्रणाली पर दिखाई दे रहा है।

हाल के वर्षों में पर्यटन बढ़ने से नामत्सो तक पहुंच आसान हुई है। ताशी दोर प्रायद्वीप पर्यटकों के लिए प्रमुख प्रवेश द्वार बन चुका है। हालांकि पर्यटकों की बढ़ती संख्या के कारण कचरा प्रबंधन, प्राकृतिक आवास की सुरक्षा और नाजुक पर्वतीय पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण जैसी चुनौतियां भी सामने आई हैं। क्षेत्रीय प्रशासन ने पर्यटन और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए कई संरक्षण उपाय लागू किए हैं।विशेषज्ञों का मानना है कि नामत्सो केवल एक झील नहीं, बल्कि तिब्बत की प्राकृतिक विरासत, सांस्कृतिक परंपरा, धार्मिक आस्था और पर्यावरणीय महत्व का जीवंत प्रतीक है।

NEET पेपर लीक केस: 20 हजार पन्नों की चार्जशीट कोर्ट में, 13 आरोपी नामजद; अगली सुनवाई 3 अगस्त को

नई दिल्ली (आरएनएस)। नीट यूजी (NEET UG) पेपर लीक मामले में जांच कर रही सीबीआई ने राउज एवेन्यू कोर्ट को बताया कि इस मामले में दाखिल चार्जशीट करीब 20 हजार पन्नों की है। अदालत ने चार्जशीट को रिकॉर्ड पर लेते हुए सीबीआई को उससे जुड़े सभी आवश्यक दस्तावेज जमा करने के लिए अतिरिक्त समय दे दिया है। मामले की अगली सुनवाई अब 3 अगस्त को होगीसुनवाई के दौरान अदालत ने सीबीआई से चार्जशीट में दर्ज गवाहों के बयान और अन्य संबंधित दस्तावेजों के बारे में जानकारी मांगी। इस पर सीबीआई ने बताया कि एनेक्सर (संलग्न दस्तावेजों) की स्कैनिंग का काम जारी है, इसलिए शेष दस्तावेज दाखिल करने के लिए कुछ और समय की आवश्यकता है। अदालत ने यह अनुरोध स्वीकार कर लिया।नीट यूजी पेपर लीक मामले को लेकर देशभर में छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किए थे, जिसके बाद सरकार ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भरोसा दिया था। अब इस मामले में जांच तेजी से आगे बढ़ रही है।

चार्जशीट में 13 आरोपी

सीबीआई की चार्जशीट में कुल 13 लोगों को आरोपी बनाया गया है। इनमें एनटीए के जीवविज्ञान विशेषज्ञ मनीषा मंधारे, रसायन विज्ञान विशेषज्ञ प्रल्हाद विट्ठलराव और भौतिकी विशेषज्ञ मनीषा संजय हवलदार शामिल हैं।

इसके अलावा बिचौलियों के रूप में मनीषा संजय वाघमारे, धनंजय निवृत्ति लोखंडे, शुभम मधुकर खैरनार, यश यादव, मांगीलाल बिवाल, विकास बिवाल, दिनेश बिवाल और डॉ. मनोज भगवानराव शिरुरे को भी आरोपी बनाया गया है। चार्जशीट में लातूर स्थित आरसीसी कोचिंग इंस्टीट्यूट के संचालक शिवराज रघुनाथ मोटेगांवकर तथा पुणे स्थित एपीएमए कोचिंग इंस्टीट्यूट के भौतिकी संकाय एवं सीओओ तेजस हर्षदकुमार शाह का नाम भी शामिल है।

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंदिर मार्ग स्थित महर्षि वाल्मीकि मंदिर में किए दर्शन-पूजन

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर बुधवार को मंदिर मार्ग स्थित महर्षि वाल्मीकि मंदिर में दर्शन एवं पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने भगवान के समक्ष राष्ट्र की प्रगति, दिल्ली के सर्वांगीण विकास तथा समाज में शांति, सद्भाव और समरसता की प्रार्थना की। उन्होंने मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर संत-महात्माओं एवं गुरुओं का आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च माना गया है। गुरु केवल ज्ञान प्रदान करने वाले शिक्षक नहीं, बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाले पथप्रदर्शक होते हैं। गुरु ही व्यक्ति के भीतर ज्ञान, संस्कार, अनुशासन और सेवा की भावना का संचार करते हैं तथा समाज और राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। गुरु पूर्णिमा भारतीय संस्कृति की उन महान परंपराओं का पर्व है, जो हमें अपने गुरुजनों के प्रति श्रद्धा, सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है। हमारे ऋषि-मुनियों और गुरु परंपरा ने भारत को ज्ञान, अध्यात्म और संस्कृति की ऐसी अमूल्य धरोहर दी है, जिसने विश्व को सदैव प्रेरित किया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि आज का दिन हमें अपने जीवन में सत्य, सेवा, अनुशासन, नैतिकता और सदाचार के मूल्यों को अपनाने का भी संदेश देता है। उन्होंने सभी नागरिकों से आग्रह किया कि वे अपने गुरुजनों के आदर्शों का अनुसरण करते हुए समाज और राष्ट्र के विकास में सक्रिय योगदान दें। मुख्यमंत्री ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर दिल्लीवासियों एवं देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और आध्यात्मिक उन्नति की कामना की।

रेखा सरकार ने निभाया अपना महत्वपूर्ण वादा, दिल्ली की महिलाओं को मिला सम्मान

'दिल्ली लक्ष्मी योजना' महिलाओं के सम्मान और उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव रखेगी :मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली सरकार ने महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और सामाजिक सुरक्षा की दिशा में मंगलवार को ऐतिहासिक कदम उठाते हुए 'दिल्ली लक्ष्मी योजना' (डीएलवाई) को स्वीकृति दे दी। मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में दिल्ली सचिवालय में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में योजना के दिशा-निर्देशों को स्वीकृति प्रदान की गई। इस महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के साथ-साथ उन्हें सामाजिक रूप से सशक्त करना है। इसके तहत पात्र महिलाओं को हर महीने 2,500 रुपये की वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में इसके लिए 5,110 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है और इससे दिल्ली की 17 लाख से अधिक महिलाओं को लाभ मिलने की उम्मीद है।कैबिनेट बैठक के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंत्रिपरिषद के सदस्यों के साथ आयोजित प्रेस वार्ता में दिल्ली लक्ष्मी योजना की औपचारिक घोषणा की। उन्होंने कहा कि दिल्ली की बहनों के आर्थिक स्वावलंबन के लिए सरकार ने जो संकल्प लिया था, आज उसे पूरा कर दिया गया है। 'दिल्ली लक्ष्मी योजना' के तहत सभी पात्र महिलाओं को 2,500 रुपये प्रतिमाह की वित्तीय सहायता दी जाएगी। यह योजना लाखों महिलाओं के जीवन में आर्थिक सुरक्षा और आत्मनिर्भरता का नया अध्याय लिखेगी। दिल्ली सरकार ने अपने कार्यकाल के केवल सवा वर्ष के भीतर महिलाओं से किया गया यह महत्वपूर्ण वादा पूरा किया है। उन्होंने दिल्ली की सभी महिलाओं को इस ऐतिहासिक निर्णय पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह सरकार जनता के आशीर्वाद से बनी है और सदैव जनहित एवं महिला हित में कार्य करती रहेगी।

'उन्हें सीरियसली लेता कौन है?', कंगना रनौत ने 'गटर जनरेशन' वाले बयान पर CJP का पलटवार

नई दिल्ली (ए.)। आंदोलनकारी युवाओं और जेन-जी (Gen-Z) पीढ़ी को 'गटर जनरेशन' बताने और लड़कियों पर अश्लीलता का आरोप लगाने के बाद चौतरफा घिरीं अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत एक बार फिर अपने बयानों पर अड़ गई हैं। कंगना ने एक नया सेल्फी वीडियो जारी कर अपने विवादित बयानों का बचाव किया है और विरोध करने वालों पर तीखा निशाना साधा है। अभिनेत्री का दो टूक कहना है कि सार्वजनिक स्थलों पर अभद्र भाषा और अश्लील आचरण को किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं माना जा सकता।

CJP नेता अभिजीत दीपके और विशाल ददलानी का जोरदार पलटवार

दूसरी ओर, कंगना की इन टिप्पणियों पर राजनीतिक और बॉलीवुड गलियारों से लगातार तीखी प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने कंगना के बयानों पर पलटवार करते हुए इन्हें पूरी तरह से बेतुका करार दिया है। न्यूज एजेंसी द्वारा कंगना की टिप्पणियों पर सवाल पूछे जाने पर दीपके ने चुटकी लेते हुए कहा कि उन्हें आखिर गंभीरता से लेता ही कौन है।वहीं, मशहूर गायक और संगीतकार विशाल ददलानी ने भी विरोध प्रदर्शनों के दौरान इस्तेमाल की गई कथित अभद्र भाषा पर हंगामा मचाने वालों की दोहरी मानसिकता पर सवाल खड़े किए हैं।

ददलानी ने तीखा प्रहार करते हुए कहा कि जो लोग युवाओं की भाषा पर इतना बवाल काट रहे हैं, वे सुरक्षा बलों द्वारा प्रदर्शनकारियों पर ढाए गए पुलिसिया अत्याचार और पेलेट गन के इस्तेमाल पर पूरी तरह से खामोश क्यों बैठे हैं।

IIT कानपुर की वेबसाइट हैक करने वाले छात्र को पुलिस केस के बजाय मिला इंटर्नशिप का ऑफर,

कानपुर(आरएनएस)। आईआईटी कानपुर के बी.टेक साइबर सुरक्षा पाठ्यक्रम में प्रवेश नहीं मिलने पर एक छात्र द्वारा संस्थान की वेबसाइट हैक करने का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। हालांकि, इस संवेदनशील मामले में संस्थान ने पुलिस केस या कानूनी कार्रवाई (Legal Action) करने के बजाय बड़ा दिल दिखाते हुए छात्र का भविष्य सुरक्षित रखने का फैसला किया है।आईआईटी कानपुर के निदेशक प्रो. मनिंद्र अग्रवाल ने छात्र के खिलाफ एफआईआर (FIR) दर्ज कराने के प्रस्ताव को बदलते हुए, उसे संस्थान के 'CxiHub' केंद्र में इंटर्नशिप (Internship) देने पर विचार करने की बात कही है। जानकारी के मुताबिक, बी.टेक साइबर सुरक्षा प्रवेश प्रक्रिया के तहत आयोजित हैकथॉन (Hackathon) में यह छात्र अपनी प्रतिभा साबित करने में चूक गया था। इसके बाद प्रवेश खारिज होने पर उसने आईआईटी कानपुर की वेबसाइट में सेंध लगा दी और वहां एक मैसेज छोड़ दिया— "Site is Hacked, All I Need is Just a Fair Chance" (साइट हैक हो चुकी है, मुझे बस एक सही मौके की जरूरत है)।अपनी साइबर सिक्योरिटी स्किल्स साबित करने के लिए छात्र ने इस हैक के स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ÒXÓ और 'रेडिट' (Reddit) पर भी शेयर किए।

LIC ने सरकार को सौंपा 12,207 करोड़ रुपए का डिविडेंड चेक, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को सौंपा गया ड्राफ्ट

मुंबई (आरएनएस)। LIC ऑफ़ इंडिया के CEO और MD, आर. दोराईस्वामी ने आज केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण को 12,207.25 करोड़ का डिविडेंड चेक सौंपा। यह डिविडेंड भारत सरकार के हिस्से का है, जिसे 27 जुलाई, 2026 को हुई सालाना आम बैठक (AGM) में शेयरधारकों ने मंजूरी दी थी।इस मौके पर भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग के सचिव संजय लोहिया और LIC ऑफ़ इंडिया के अधिकारी - MD रत्नाकर पटनायक, MD श्री आर. चंदर और नॉर्दर्न ज़ोन के ज़ोनल मैनेजर (I/C) श्री एन.एस. राघवा - भी मौजूद थे। LIC अपनी स्थापना के 70 शानदार साल पूरे कर रही है और 31 मार्च, 2026 तक इसका एसेट बेस 59.03 लाख करोड़ है। यह भारतीय जीवन बीमा बाज़ार में मार्केट लीडर बनी हुई है। अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर (CC), LIC ऑफ़ इंडिया, सेंट्रल ऑफिस,मुंबई। ईमेल आईडी: ed_cc@licindia.com वेबसाइट www.licindia.in पर जाएँ।

आंध्र प्रदेश के भक्त ने साईं बाबा को भेंट किया 1 करोड़ का सोने का मुकुट, देखकर हर कोई रह गया दंग

शिरडी (आरएनएस)। देशभर में आज आषाढ़ी गुरु पूर्णिमा का पर्व अत्यंत श्रद्धा और धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है। यह पवित्र दिन जीवन को दिशा देने वाले गुरुओं की वंदना और पूजा-अर्चना को समर्पित है। इस खास मौके पर महाराष्ट्र के प्रसिद्ध शिरडी साईं बाबा मंदिर में भक्ति और आस्था का एक अनूठा नजारा देखने को मिला, जब एक श्रद्धालु ने बाबा के चरणों में एक ऐसा अमूल्य उपहार समर्पित किया, जिसे देखकर वहां मौजूद हर कोई हैरान रह गया।

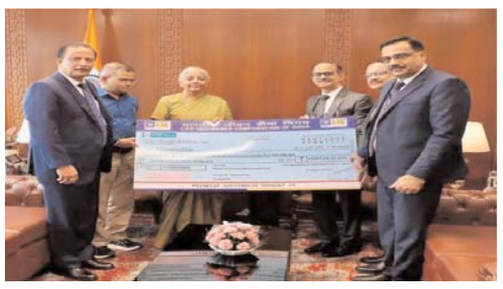

बाबा के मुकुट से पर्दा हटते ही खिले भक्तों के चेहरे

गुरु पूर्णिमा के इस पावन अवसर पर जैसे ही बाबा के इस चमकदार तोहफे से पर्पल रंग का पर्दा हटाया गया, तो मंदिर प्रांगण में मौजूद श्रद्धालुओं के चेहरों पर खुशी और आश्चर्य देखते ही बन रहा था। गुरु-दक्षिणा के रूप में बाबा को यह अनोखी भेंट समर्पित की गई है, जो इस उत्सव के पहले ही दिन पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गई है।

642 ग्राम वजनी और अमेरिकन डायमंड्स से सजा है मुकुट

साईं बाबा को यह भव्य मुकुट आंध्र प्रदेश के वेल्लोर के रहने वाले भक्त श्रीनिवास राव ने भेंट किया है। इस खूबसूरत और चमकते सोने के मुकुट का कुल वजन 642 ग्राम है और इसकी अनुमानित कीमत करीब 1.03 करोड़ रुपये बताई जा रही है। मुकुट की सबसे बड़ी खासियत इस पर की गई नवग्रहों की बारीक नक्काशी है। साथ ही, इसे बेशकीमती रत्नों और अमेरिकन डायमंड्स से बेहद खूबसूरती के साथ सजाया गया है।

उत्सव के मुख्य दिन बाबा के शीश पर सजेगा मुकुट

श्री साईंबाबा संस्थान ट्रस्ट और मंदिर प्रशासन के मुताबिक, गुरु पूर्णिमा उत्सव के मुख्य दिन साईं बाबा की पावन प्रतिमा का श्रृंगार इसी भव्य सोने के मुकुट से किया जाएगा। गौरतलब है कि यह कोई पहला मौका नहीं है जब किसी भक्त ने बाबा के दरबार में इतनी कीमती भेंट चढ़ाई हो; पहले भी श्रद्धालु लाखों-करोड़ों के आभूषण और दान अर्पित करते रहे हैं। हालांकि, गुरु पूर्णिमा के खास मौके पर समर्पित किया गया यह मुकुट महज सोने का एक आभूषण नहीं, बल्कि एक भक्त की अपने गुरु और ईश्वर के प्रति अटूट आस्था का प्रतीक है।

रेत माफिया के खिलाफ लॉ एनफोर्समेंट की बड़ी कार्रवाई, 5.5 करोड़ कैश और 15 किलो सोना बरामद

कोलकाता(आरएनएस)। पश्चिम बंगाल के बीरभूम पुलिस की ओर से रेत माफिया टुल्लू मंडल उर्फ मोहम्मद नजीबुद्दीन के खिलाफ लॉ एनफोर्समेंट ने बड़ी कार्रवाई की है। लॉ एनफोर्समेंट की ओर से की गई कार्रवाई की मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने तारीफ की है। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, रेत माफिया पर कार्रवाई के लिए हमारे लॉ एनफोर्समेंट स्टाफ का काम तारीफ के काबिल है। सूत्र से मिली जानकारी के आधार पर एक सटीक ऑपरेशन के बाद बीरभूम पुलिस ने मोहम्मद बाजार पुलिस स्टेशन के तहत गैरकानूनी रेत माफिया टुल्लू मंडल उर्फ मोहम्मद नजीबुद्दीन के ठिकाने पर एक बड़ी रेड की। मुख्यमंत्री ने लिखा, ऑपरेशन में गैरकानूनी तरीके से जमा की गई भारी मात्रा में दौलत का पता चला है। अब तक 5.5 करोड़ रुपए कैश बरामद किया गया और गिनती अभी भी जारी है। वहीं, 15 किलो सोना बरामद किया गया है।

12 साल के इस बच्चे ने 2 अरब साल का कैलेंडर चुटकियों में सुनाकर बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड, वैज्ञानिक भी हैरान

कोनासीमा(आरएनएस)। आंध्र प्रदेश के डॉ. बी.आर. अंबेडकर कोनासीमा जिले से एक ऐसा अजूबा सामने आया है, जिसकी असाधारण बुद्धिमत्ता देखकर बड़े-बड़े गणितज्ञ और वैज्ञानिक भी दंग हैं। महज 12 साल का सचिन कैलकुलेटर से भी तेज गति से गणितीय गणनाएं करने, सांख्यिकी के कठिन सिद्धांतों को समझाने और रूबिक क्यूब को कुछ ही सेकंड में हल करने में माहिर है। हाल ही में एक अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में 1 से 2 अरब वर्षों के बीच की किसी भी तारीख का सही दिन बताकर इस प्रतिभाशाली बच्चे ने विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किया है। सचिन की इस हैरतअंगेज प्रतिभा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आधिकारिक मान्यता मिल गई है। हाल ही में आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के दौरान जब निर्णायक मंडल ने सचिन से 1 से 2 अरब वर्ष पुरानी या भविष्य की तारीखों के दिन पूछे, तो उसने बिना किसी देरी के सेकंडों में सही जवाब देकर सभी को चौंका दिया। इस अकल्पनीय और दुर्लभ उपलब्धि के सम्मान में सचिन को 'इन्फ्लुएंसर बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' की ओर से आधिकारिक प्रमाण पत्र और रिकॉर्ड सर्टिफिकेट प्रदान किया गया है।सचिन के इस असाधारण सफर के पीछे उसके पारिवारिक माहौल और बचपन के कठिन अभ्यास का बड़ा योगदान है। कोनासीमा जिले के राजोलू मंडल के पोदलदा गांव में रहने वाले सचिन के पिता डॉ. बी.आर. अंबेडकर सत्यवरप्रसाद स्वयं कैलेंडर और सांख्यिकी के अच्छे जानकार हैं। पिता के मार्गदर्शन में सचिन ने बचपन से ही सुडोकू पहेलियां हल करना शुरू कर दिया था।

राहुल गांधी ने अमित शाह पर लगाए गंभीर आरोप तो भड़की BJP, अखिलेश यादव को सपोर्ट में उतरना पड़ा

नई दिल्ली (आरएनएस)। संसद के मॉनसून सत्र में बुधवार को एंटी पेपर लीक बिल और छात्रों के प्रदर्शन पर पुलिस की कार्रवाई को लेकर भारी हंगामा हुआ। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर गंभीर आरोप लगाए, जिसके बाद सदन का माहौल पूरी तरह से गरमा गया। भारतीय जनता पार्टी के सांसदों ने राहुल गांधी के बयान पर कड़ी आपत्ति जताते हुए उनसे माफी की मांग की। इस तीखी नोकझोंक के बीच समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव भी राहुल गांधी के समर्थन में उतर आए। हंगामे को देखते हुए सदन की कार्यवाही को कुछ देर के लिए स्थगित करना पड़ा।

राहुल गांधी के अमित शाह पर गंभीर आरोप

'लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026' पर चर्चा के दौरान राहुल गांधी ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों का मुद्दा उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि छात्रों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई का आदेश सीधे गृह मंत्री अमित शाह ने दिया था।

राहुल गांधी ने कहा कि इन बच्चों ने अपना डर निकालकर सरकार से सवाल करने की हिम्मत दिखाई है, जबकि उनके माता-पिता में भाजपा और उसके संगठन का मुकाबला करने का साहस नहीं है। उन्होंने तंज कसते हुए यह भी दावा किया कि गृह मंत्री डरे हुए हैं और इसी वजह से वह सदन में मौजूद नहीं हैं।

किरेन रिजिजू समेत भाजपा सांसदों ने मांगी माफी

राहुल गांधी के इन बयानों पर सत्ता पक्ष बुरी तरह भड़क गया। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने नेता प्रतिपक्ष के बयान का कड़ा विरोध करते हुए इसे विशेषाधिकार का हनन करार दिया। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि राहुल गांधी सदन को बताएं कि उन्होंने किस आधार पर देश के एक जिम्मेदार व्यक्ति पर इतने गंभीर आरोप लगाए हैं, अन्यथा उन्हें तुरंत माफी मांगनी चाहिए। उनके साथ ही सदन में मौजूद अन्य भाजपा सांसदों ने भी भारी हंगामा किया और राहुल गांधी के शब्दों को सदन की कार्यवाही से हटाने की पुरजोर मांग की।

अखिलेश यादव ने संभाला मोर्चा, सरकार से पूछा सवाल

सदन में बढ़ते बवाल को देखते हुए सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राहुल गांधी का बचाव किया। उन्होंने सरकार को घेरते हुए कहा कि अगर नेता प्रतिपक्ष ने कोई आरोप लगाया है।

तो सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि आखिर किसके आदेश पर पुलिस ने प्रदर्शनकारी बच्चों पर कार्रवाई की थी। अखिलेश यादव ने पूछा कि यदि यह आदेश गृह मंत्री का नहीं था, तो फिर यह किसका आदेश था। दोनों पक्षों के बीच काफी देर तक चले इस भारी हंगामे और गतिरोध के चलते अंततः लोकसभा की कार्यवाही को कुछ समय के लिए स्थगित करना पड़ा।

भारतीय नाविकों पर हमले बर्दाश्त नहीं, होर्मुज में सुरक्षित आवाजाही बहाल हो संयुक्त राष्ट्र में भारत का कड़ा संदेश

न्यूयॉर्क(आरएनएस)। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) की खुली बहस में होर्मुज जलडमरूमध्य में भारतीय नाविकों वाले जहाजों पर हुए हमलों की कड़ी निंदा की है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने इन घटनाओं पर गहरी चिंता जताते हुए क्षेत्र में तत्काल तनाव कम करने और अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों पर सुरक्षित आवाजाही बहाल करने की अपील की। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो द्वारा बुलाई गई सुरक्षा परिषद की बैठक में पी. हरीश ने बताया कि हालिया हमलों में एक भारतीय नागरिक की मौत हो चुकी है, एक अन्य लापता है और कई भारतीय घायल हुए हैं।उन्होंने कहा कि भारत इस महीने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले कई जहाजों पर हुए हमलों की कड़ी निंदा करता है।

इनमें तस्र्नस् गैलेक्सी, M T अल बाहिया और M T मोम्बासा जैसे जहाज शामिल हैं। भारत ने कहा कि समुद्री यात्रियों को निशाना बनाना और होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों पर स्वतंत्र एवं सुरक्षित आवाजाही में बाधा डालना पूरी तरह अस्वीकार्य है। भारत ने क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता के लिए संवाद और कूटनीति को ही एकमात्र प्रभावी रास्ता बताया।

जापान में भूकंप से मृतकों की संख्या 13 हुई

>>> दूसरे दिन भी जारी रहा राहत और बचाव अभियान

टोक्यो,(ए.)। जापान के दक्षिणी मुख्य द्वीप क्यूशू में आए 7.1 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप के बाद राहत एवं बचाव अभियान दूसरे दिन भी जारी रहा। इस प्राकृतिक आपदा में अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई लोग घायल और कुछ अब भी लापता बताए जा रहे हैं, जिससे मरने वालों की संख्या बढ़ने का अंदेशा है। प्रभावित क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर बचाव कार्य चलाया जा रहा है।

सबसे अधिक प्रभावित कुमामोतो प्रांत के काशिमा टाउन में स्थित एक शॉपिंग मॉल की दूसरी मंजिल ढह गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार गैस रिसाव के बाद हुए विस्फोट के कारण यह हादसा हुआ। मलबे से कई लोगों को बाहर निकाला गया है, जबकि अन्य की तलाश जारी है। वहीं

यात्सुशिरो स्थित निप्पॉन पेपर इंडस्ट्रीज की फैक्ट्री में चिमनी गिरने से कई कर्मचारी मलबे में दब गए। भूकंप के बाद करीब 2.6 लाख लोगों को एहतियातन सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी गई। सुनामी की चेतावनी कुछ घंटों बाद वापस ले ली गई, लेकिन जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने अगले दो-तीन दिनों तक आफ्टरशॉक की आशंका जताते हुए लोगों से सतर्क रहने को कहा है।

प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची ने मीडिया को बताया कि कई सड़कें, पुल और इमारतें क्षतिग्रस्त हुई हैं तथा कुछ इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित हुई है। हालांकि, आसपास के परमाणु ऊर्जा संयंत्र सुरक्षित पाए गए हैं। भूकंप के असर से टोयोटा, होंडा और निप्पॉन पेपर ने कुछ संयंत्रों का संचालन अस्थायी रूप से रोक दिया है।

शिंकानसेन बुलेट ट्रेन, स्थानीय रेल सेवाएं और कुमामोतो हवाई अड्डे का संचालन भी सुरक्षा जांच के लिए अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। रक्षा मंत्रालय ने राहत कार्यों में सहयोग के लिए सैन्य विमान और अतिरिक्त संसाधन तैनात किए हैं।

यूएनएससी सुधारों में देरी पर यूएन में भड़का भारतः प्रक्रिया कुछ देशों के हितों के लिए नहीं रुकेगी

न्यूयार्क,(ए.)। संयुक्त राष्ट्र में भारत ने सुरक्षा परिषद सुधारों में हो रही देरी पर अपनी गहरी निराशा व्यक्त की है। भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने कड़ा रुख अपनाकर कहा है कि 17 दौर की वार्ताओं के बावजूद कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आया है और कुछ देशों के विभाजनकारी हितों को इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया को बाधित नहीं करने दिया जा सकता।

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने सुरक्षा परिषद में सुधार से संबंधित अंतर-सरकारी वार्ता (आईजीएन) को अपने अगले 81वें सत्र तक जारी रखने का फैसला किया है, जो सितंबर में शुरू होगा। यह प्रक्रिया अब बिना किसी ठोस परिणाम या अंतिम समयसीमा के अपने 18वें वर्ष में प्रवेश कर चुकी है। भारत ने मौखिक मसौदा निर्णय को अपनाने का समर्थन किया, लेकिन ठोस प्रगति की कमी और कुछ सदस्य देशों द्वारा प्रक्रिया को बाधित करने के प्रयासों की कड़ी आलोचना की।

राजदूत हरीश ने कहा कि पिछले सत्रों की तरह, आईजीएन का 80वां सत्र भी किसी इसतरह के परिणाम या पहल पर सहमति बनाने में विफल रहा, जिससे वास्तविक सुधारों को लागू करने का मार्ग प्रशस्त हो सके।

होर्मुज में ईरान की आक्रामक कार्रवाई, 3 तेल टैंकरों पर किया हमला

तेहरान (ए.)। अमेरिका-ईरान के बीच गहराते तनाव के बीच ईरान फिर होर्मुज जलडमरूमध्य में आक्रामक हो गया। ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने चेतावनी की अनदेखी करने वाले तीन तेल टैंकरों को निशाना बनाकर रोक दिया। यह जानकारी ईरानी मीडिया के हवाले से सामने आई है, जिसमें दावा किया गया है कि इन टैंकरों को कुछ घंटे पहले ही रोका गया है। यह कार्रवाई ईरान की उस चेतावनी के कुछ घंटों बाद सामने आई है, जिसमें उसने दुनिया भर के देशों और शिपिंग कंपनियों को आगाह किया था। ईरान ने कहा था कि यदि किसी देश या कंपनी ने अमेरिका द्वारा जब्त की गई ईरान की संपत्ति का उपयोग किया, तब उसके जहाजों को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरने नहीं दिया जाएगा।

दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में घोषणा की थी कि जंग के दौरान क्षतिग्रस्त हुए जहाजों को ईरान की जब्त संपत्तियों से मुआवजा दिया जाएगा। ईरान के शीर्ष सैन्य कमान मुख्यालय खातम अल-अंबिया ने ट्रंप के फैसले को सिरे से खारिज किया था। सैन्य प्रवक्ता इब्राहिम जुल्फिकारी ने एक अवैध कदम बताकर सभी देशों और कंपनियों को स्पष्ट चेतावनी दी थी कि ईरान के सशस्त्र बल इसतरह के किसी भी जहाज को होर्मुज से नहीं गुजरने देने वाले है। जो इस बहाने ईरान की जब्त संपत्ति का इस्तेमाल करेगा। इस ताजा घटना के बाद पश्चिम एशिया में युद्ध और शांति के बीच डंवाडोल वाली स्थिति और अधिक गंभीर हो गई है।

कुमामोटो भूकंप पर पीएम मेलोनी ने जताया दुख, जापान को पूर्ण समर्थन का भरोसा

टोक्यो (ए.)। जापान के दक्षिण-पश्चिमी कुमामोटो प्रांत में आए भीषण भूकंप से हुई तबाही पर इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने गहरा दुख जाहिर किया है। उन्होंने पीड़ितों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त कर मुश्किल घड़ी में जापान के साथ इटली की एकजुटता और पूर्ण समर्थन का भरोसा दिया है। इस शक्तिशाली भूकंप में अब तक एक व्यक्ति की मौत हुई है और कई लोग घायल हुए हैं, वहीं बड़े पैमाने पर संपत्ति का नुकसान हुआ है।

इटली की पीएम मेलोनी ने एक्स पर अपनी संवेदनाएं साझा कर लिखा, जापान के लोगों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। कुमामोटो प्रांत में आए भीषण भूकंप से प्रभावित सभी लोगों के बारे में मेरी सोच और प्रार्थनाएं उनके साथ हैं। उन्होंने राहत और बचाव कार्य में दिन-रात जुटे कर्मियों की सराहना कर इस बहुत ही सराहनीय कार्य बताया। उन्होंने अपने मित्र प्रधानमंत्री साने ताकाइची और पूरे जापान देश के लिए इटली की सरकार की ओर से एकजुटता और समर्थन का आश्वासन दिया।

क्या ट्रंप-जेलेंस्की की मुलाकात में बना प्लान? यूक्रेन का दावा- रूस की तेल रिफाइनरी-सैन्य अड्डे पर की बमबारी

कीव (ए.)। यूक्रेन ने बुधवार को दावा किया कि उसकी सेना ने रातभर चले अभियान में रूस की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरियों में से एक पर हमला किया। यूक्रेन का कहना है कि यह रूस पर आर्थिक, सैन्य और कूटनीतिक दबाव बढ़ाने की उसकी रणनीति का हिस्सा है।

यूक्रेन ने कहा कि उसकी लंबी दूरी की ड्रोन और मिसाइल क्षमताओं ने हाल के महीनों में रूस के तेल प्रतिष्ठानों को लगातार निशाना बनाया है। उसके अनुसार, इन हमलों से रूस में ईंधन संकट गहराया है, जिससे यूक्रेन पर पूर्ण पैमाने के आक्रमण के चार साल से अधिक समय बाद भी क्रेमलिन पर दबाव बढ़ा है।

रियाजान तेल रिफाइनरी में लगी आग

यूक्रेन के जनरल स्टाफ के मुताबिक, रात में हुए हमले में रियाजान तेल रिफाइनरी में आग लग गई। इस रिफाइनरी की सालाना क्षमता लगभग 1.7 करोड़ टन तेल प्रसंस्करण की है और यहां पेट्रोल, डीजल, विमानन ईंधन तथा अन्य पेट्रोलियम उत्पाद तैयार किए जाते हैं। यह रिफाइनरी यूक्रेन की सीमा से करीब 400 किलोमीटर दूर स्थित है।

यह हमला ऐसे समय हुआ, जब कुछ घंटे पहले ही यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने वॉशिंगटन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की थी। इस बैठक का उद्देश्य यूक्रेन के लिए अमेरिका का और अधिक सहयोग हासिल करना बताया गया। रियाजान के गवर्नर पावेल मालकोव ने कहा कि ड्रोन हमले में छह लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्होंने बताया कि ड्रोन का मलबा गिरने से कुछ औद्योगिक स्थलों पर आग लग गई, हालांकि उन्होंने उन स्थानों की पहचान नहीं बताई।

जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर लिखा, रूस को यह महसूस होना चाहिए कि युद्ध का हर दिन उसके लिए और महंगा साबित होगा। हमें आक्रामक पक्ष को कमजोर करना होगा और उस पर दबाव बनाए रखना होगा, ताकि इस युद्ध के अंत को और करीब लाया जा सके।

ट्रंप से मुलाकात पर क्या बोले जेलेंस्की?

जेलेंस्की ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ उनकी "अच्छी बैठक" हुई। वहीं, ट्रंप ने इस मुलाकात को "बड़ा सम्मान" बताया। दोनों नेताओं के बीच बातचीत बंद कमरे में हुई। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, "कई मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक बहुत अच्छी रही।" जेलेंस्की ने बताया कि उन्होंने वॉशिंगटन में अमेरिकी सीनेट के दोनों दलों के 60 से अधिक सांसदों से भी मुलाकात की। उन्होंने रूस पर और अधिक प्रतिबंध लगाने की जरूरत पर जोर दिया।

उन्होंने रक्षा कंपनियों लॉकहीड मार्टिन और रेथियॉन के प्रतिनिधियों से भी मुलाकात की। इससे कुछ दिन पहले रेथियॉन का एक प्रतिनिधिमंडल कीव गया था। यूक्रेन को उम्मीद है कि वह पैट्रियट वायु रक्षा प्रणाली जैसे उन्नत हथियारों का निर्माण स्वयं कर सकेगा। इसी महीने ट्रंप ने कहा था कि अमेरिका यूक्रेन को पैट्रियट प्रणाली के निर्माण का लाइसेंस देगा, ताकि वह रूस की बैलिस्टिक मिसाइलों का मुकाबला कर सके।

फीचर

बंटवारा 1947 का ट्रेलर रिलीज

आमिर खान प्रोडक्शंस की बहुप्रतीक्षित फिल्म बंटवारा 1947 का शानदार ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। राजकुमार संतोषी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में सनी देओल, शबाना आज़मी और प्रीति जिंटा मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म भारत के विभाजन के दर्दनाक दौर और उस समय आम लोगों की जिंदगी में आए बदलावों को

भावनात्मक तरीके से पेश करती है। यह फिल्म पार्टिशन डे यानी 14 अगस्त 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के टीजर और पोस्टर्स के बाद अब ट्रेलर ने दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। ट्रेलर में 1947 के विभाजन की पृष्ठभूमि में एक ऐसे परिवार की कहानी दिखाई गई है, जिसकी जिंदगी हिंसा, डर और मजबूर पलायन की वजह से पूरी तरह बदल जाती है। कभी साथ रहने वाले लोग बंटवारे की आग में एक-दूसरे से दूर हो जाते हैं, लेकिन फिल्म यह संदेश देती है कि मुश्किल से मुश्किल हालात में भी इंसानियत और उम्मीद को जिंदा रखा जा सकता है। ट्रेलर में सनी देओल एक ऐसे किरदार में नजर आ रहे हैं, जो हालात कितने भी कठिन क्यों न हों, अपने सिद्धांतों और जमीर से समझौता नहीं करता।

तेलुगु अभिनेत्री पावला का निधन

अनुभवी तेलुगु अभिनेत्री पावला श्यामला का मंगलवार तड़के 75 वर्ष की आयु में निधन हो गया। रिपोर्ट्स के अनुसार, वह उम्र संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं के कारण हैदराबाद के उस्मानिया जनरल अस्पताल में भर्ती थीं, जहां उन्हें गंभीर कार्डियक अरेस्ट आया। उनके निधन से तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई है। आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले के अमरावती में नेथी स्यामला के रूप में जन्मीं पावला श्यामला ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत रंगमंच से की थी। बाद में उन्होंने फिल्म बाबई अब्बाई से तेलुगु सिनेमा में कदम रखा और जल्द ही एक भरोसेमंद सहायक अभिनेत्री के रूप में अपनी पहचान बना ली। अपने लंबे करियर में उन्होंने कई यादगार फिल्मों में अभिनय किया, जिनमें चैलेंज, श्रीवारिकी प्रेमलेखा, मोगुडु पेल्लु, इडा प्रपंचम, स्वर्णकमलम, बाबू बंगाराम, गुंटूर टॉकीज, शौर्या, नेनु लोकल और माथु वडालारा जैसी फिल्में शामिल हैं। पावला श्यामला का निजी जीवन भी चुनौतियों से भरा रहा। बीते कुछ वर्षों में वह गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं और आर्थिक तंगी से जूझ रही थीं।

ईशा की पोस्ट से मचा बवाल

मशहूर सिंगर और रैपर बादशाह अपने सुपरहिट गानों के साथ-साथ निजी जिंदगी को लेकर भी अक्सर सुर्खियों में रहते हैं। पिछले कुछ महीनों से उनकी शादी चर्चा का विषय बनी हुई है। शादी के महज चार महीने बाद ही उनके रिश्ते को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। इसकी वजह ईशा रिखी की हालिया इंस्टाग्राम पोस्ट बनी है, जिसे देखने के बाद सोशल मीडिया पर बादशाह और ईशा के रिश्ते में अनबन और तलाक की अटकलें तेज हो गई हैं। ईशा ने अपनी पोस्ट में लिखा, कुछ लड़ाइयां ऐसी होती हैं जो शरीर पर कोई दिखाई देने वाला घाव नहीं छोड़तीं। लंबे समय तक मैं चुप रही क्योंकि मैं डरी हुई थी। मुझे लगता था कि मेरे पिता के पास इतना प्रभाव, ताकत और संसाधन हैं कि उनके सामने मैं कुछ नहीं कर सकती। मैंने खुद को यह समझा लिया था कि चुप रहना ही मेरे लिए अबसे सुरक्षित रास्ता है। लेकिन मेरी खामोशी कभी भी मेरी सहमति नहीं थी। वह सिर्फ मेरा जीवित रहने का तरीका था। आज मैंने डर के बजाय हिम्मत को चुना है।

सुपरस्टार रजनीकांत प्रकाशित करेंगे अपनी आत्मकथा

मुंबई (ए.)। अपने प्रशंसकों के लिए सुपरस्टार रजनीकांत अपनी आत्मकथा प्रकाशित करने वाले हैं, जिसमें वह अपनी जिंदगी के अनसुने और प्रेरणादायक अनुभवों को प्रकाशित करवाएंगे। बताया जा रहा है कि इस परियोजना पर काफी समय से काम चल रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रस्तावित आत्मकथा में रजनीकांत के निजी जीवन, संघर्ष, फिल्मी करियर और सफलता तक पहुंचने की पूरी यात्रा का विस्तार से उल्लेख होगा। इसमें उनके शुरुआती दिनों से लेकर भारतीय सिनेमा के सबसे लोकप्रिय सितारों में शामिल होने तक के कई अनसुने और दिलचस्प प्रसंग शामिल किए जा सकते हैं। माना जा रहा है कि यह पुस्तक उनके प्रशंसकों को उनके जीवन के ऐसे पहलुओं से परिचित कराएगी, जिनके बारे में अब तक बहुत कम जानकारी सामने आई है। आत्मकथा के साथ-साथ इस पर आधारित एक बायोपिक फिल्म बनने की भी चर्चाएं तेज हैं।

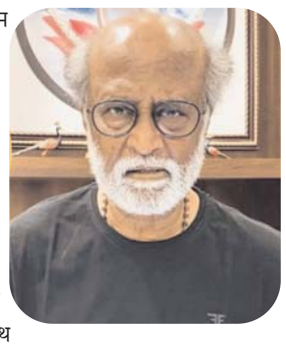

खबरों के अनुसार, रजनीकांत ने इस विषय पर अपने करीबी सहयोगियों से प्रारंभिक स्तर पर विचार-विमर्श किया है। हालांकि, फिल्म निर्माण या आत्मकथा के प्रकाशन को लेकर अभी तक किसी तरह की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। फिल्मी मोर्चे पर रजनीकांत इन दिनों अपनी आगामी फिल्मों में व्यस्त हैं। उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म जेलर 2 का निर्देशन नेल्सन दिलीपकुमार कर रहे हैं। इसके अलावा वह धर्मन की शूटिंग भी कर रहे हैं। इस फिल्म में अभिनेत्री सिमरन एक बार फिर रजनीकांत के साथ नजर आएंगी। दोनों इससे पहले वर्ष 2019 में रिलीज हुई फिल्म पेट्टा में साथ काम कर चुके हैं।

हाल ही में सिमरन ने एक बातचीत में रजनीकांत के साथ दोबारा काम करने पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि रजनीकांत उनके लिए प्रेरणा का स्रोत हैं और वह बेहद सरल, विनम्र तथा जमीन से जुड़े व्यक्तित्व के धनी हैं। सिमरन के अनुसार, इतनी बड़ी लोकप्रियता हासिल करने के बावजूद रजनीकांत में अहंकार बिल्कुल नहीं है और उनसे बहुत कुछ सीखने को मिलता है। रजनीकांत हाल ही में निर्देशक लोकेश कनगराज की फिल्म कुली में दिखाई दिए थे। इस एक्शन फिल्म को दर्शकों का अच्छा प्रतिसाद मिला और इसने दुनिया भर में 500 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार किया।

करिश्मा के स्वभाव में काफी एटीट्यूड दिखाई देता था : शगुफ्ता अली

मुंबई (ए.)। हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री शगुफ्ता अली ने फिल्म 'हीरो नंबर 1' की शूटिंग से जुड़े अपने अनुभव साझा किए हैं। वर्ष 1997 की सुपरहिट कॉमेडी फिल्म 'हीरो नंबर 1' में उन्होंने करिश्मा कपूर के साथ काम करने को लेकर खुलकर बात की। करिश्मा की मेहनत की सराहना करते हुए शगुफ्ता ने कहा कि वह अपने काम के प्रति बेहद समर्पित थीं, लेकिन अभिनेत्री के स्वभाव में काफी एटीट्यूड भी दिखाई देता था। उन्होंने गोविंदा और करिश्मा कपूर की लोकप्रिय जोड़ी के अलग होने को लेकर भी अपनी राय रखी। एक बातचीत के दौरान जब शगुफ्ता अली से पूछा गया कि कई सुपरहिट फिल्मों के बावजूद गोविंदा और करिश्मा कपूर की जोड़ी आगे क्यों नहीं चल सकी, तो उन्होंने कहा कि संभव है समय के साथ दोनों के बीच पहले जैसा तालमेल या रुचि नहीं रही हो। उन्होंने यह भी कहा कि फिल्म उद्योग में कलाकारों की महत्वाकांक्षा और व्यक्तिगत व्यवहार भी कई बार पेशेवर रिश्तों को प्रभावित करते हैं।

उनके अनुसार करिश्मा बेहद मेहनती थीं, लेकिन उनमें अत्यधिक महत्वाकांक्षा और एटीट्यूड भी नजर आता था। शगुफ्ता अली ने यह भी कहा कि किसी भी फिल्म की सफलता के लिए कलाकारों के बीच अच्छा तालमेल बेहद जरूरी होता है। उनके अनुसार कैमरे के सामने बेहतरीन प्रदर्शन तभी संभव है, जब कलाकार एक-दूसरे का सम्मान करें और सहयोगात्मक माहौल में काम करें। उन्होंने कहा कि चाहे शूटिंग हो या प्रचार, दोनों कलाकारों को एक-दूसरे को बराबर महत्व देना चाहिए। शगुफ्ता ने यह भी बताया कि वह अपने लंबे अभिनय करियर में हमेशा पेशेवर रवैया अपनाती रही हैं। उन्होंने कहा कि यदि कोई सह-कलाकार किसी दृश्य के दौरान मौजूद न भी हो, तब भी वह बिना किसी कठिनाई के अपना अभिनय कर सकती हैं और यही पेशेवर दृष्टिकोण उन्हें चार दशकों से फिल्म और टेलीविजन जगत में सक्रिय बनाए हुए है।

डेविड धवन के निर्देशन में बनी 'हीरो नंबर 1' उस दौर की सबसे सफल कॉमेडी फिल्मों में शामिल रही थी। फिल्म में गोविंदा, करिश्मा कपूर, कादर खान, परेश रावल, सतीश शाह और शगुफ्ता अली ने महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई थीं। यह फिल्म आज भी दर्शकों के बीच लोकप्रिय है। वहीं करिश्मा कपूर हाल ही में मनोवैज्ञानिक थ्रिलर वेब सीरीज 'ब्राउन' में एक जासूस की भूमिका निभाती नजर आई थीं। गौरतलब है कि 1990 के दशक में गोविंदा और करिश्मा कपूर की जोड़ी हिंदी सिनेमा की सबसे सफल जोड़ियों में गिनी जाती थी। दोनों ने 'कुली नंबर 1', 'राजा बाबू', 'साजन चले ससुराल', 'हसीना मान जाएगी' और 'शिकारी' जैसी कई सफल फिल्मों में साथ काम किया और दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।

'कहानी 3' में विद्या बालन की जगह यामी गौतम की हो सकती है एंट्री

मुंबई (ए.)। चर्चित थ्रिलर फ्रेंचाइजी 'कहानी' के तीसरे भाग पर काम शुरू हो चुका है और इसका निर्देशन एक बार फिर सुजॉय घोष ही करेंगे। पहली दो फिल्मों में अपनी शानदार अदाकारी से दर्शकों का दिल जीतने वाली विद्या बालन की जगह इस बार अभिनेत्री यामी गौतम को मुख्य किरदार के लिए चुने जाने की चर्चा है।

हालांकि, निर्माताओं की ओर से अभी तक इस संबंध में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, 'कहानी 3' पिछली फिल्मों का सीधा सीक्वल नहीं होगी, बल्कि पूरी तरह नई कहानी के साथ दर्शकों के सामने आएगी। इसके बावजूद फिल्म में रहस्य, रोमांच और सस्पेंस का वही माहौल बनाए रखा जाएगा, जिसने 'कहानी' फ्रेंचाइजी को दर्शकों के बीच खास पहचान दिलाई थी। फिलहाल फिल्म प्री-प्रोडक्शन चरण में है और निर्माता शूटिंग

की समय-सीमा तय करने के साथ अन्य तैयारियों में जुटे हुए हैं। सूत्रों के अनुसार, नई फिल्म का उद्देश्य फ्रेंचाइजी को एक नए अंदाज में आगे बढ़ाना है। यामी गौतम का किरदार काफी मजबूत और चुनौतीपूर्ण बताया जा रहा है, जिसके इर्द-गिर्द पूरी कहानी बुनी जाएगी। निर्माता चाहते हैं कि फिल्म नई पीढ़ी के दर्शकों को भी आकर्षित करे और साथ ही पुराने प्रशंसकों को वही रोमांचक अनुभव मिले, जिसके लिए यह फ्रेंचाइजी जानी जाती है।

'कहानी' और 'कहानी 2' अपनी दमदार पटकथा, अप्रत्याशित ट्विस्ट, सस्पेंस और मजबूत महिला किरदारों के कारण हिंदी सिनेमा की सबसे सफल थ्रिलर फिल्मों में शामिल हैं। विद्या बालन के अभिनय ने इन फिल्मों को अलग पहचान दिलाई और यह फ्रेंचाइजी आज भी दर्शकों के बीच लोकप्रिय बनी हुई है। निर्देशक सुजॉय घोष रहस्य और सस्पेंस पर आधारित फिल्मों के लिए जाने जाते हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, उनका प्रयास है कि 'कहानी 3' नई कहानी और नए किरदारों के साथ ताजगी लेकर आए, लेकिन इसकी मूल भावना और रोमांच पहले की तरह बरकरार रहे। टीम फिलहाल पटकथा, कलाकारों और शूटिंग की तैयारियों को अंतिम रूप देने में लगी हुई है। यदि सब कुछ तय योजना के अनुसार रहा तो जल्द ही फिल्म की शूटिंग शुरू हो सकती है।

ICC रैंकिंगः शुभमन गिल बने वनडे में दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज, वैभव ने लगाई लंबी छलांग

दुबई (ए.)। बुधवार को जारी आईसीसी की ताजा रैंकिंग में भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल एक बार फिर वनडे में दुनिया के नंबर वन बल्लेबाज बन गए हैं। वहीं, वैभव सूर्यवंशी को भी टी20 रैंकिंग में जबरदस्त फायदा पहुंचा है।हरारे में जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज में भारत की 3-0 की जीत के बाद वैभव ने ताजा टी20 इंटरनेशनल रैंकिंग में 230 पायदान की छलांग लगाई है। 15 वर्षीय वैभव टॉप 50 रैंकिंग में शामिल हो गए हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मुकाबलों में वैभव ने 50.33 की औसत से खेलते हुए 151 रन बनाए थे और उन्हे 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया था। वैभव 536 रेटिंग पॉइंट्स के साथ अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 48वीं रैंकिंग पर पहुंच गए हैं।ईशान किशन क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज बने हुए हैं। ईशान के 910 रेटिंग प्वाइंट्स हैं। तिलक वर्मा ने दो पायदान की छलांग लगाई है और वह छठे नंबर पर पहुंच गए हैं, जबकि श्रेयस अय्यर सात स्थान ऊपर चढ़कर 24वें स्थान पर आ गए हैं। लेग स्पिनर रवि बिश्नोई को भी बड़ा फायदा हुआ है। जिम्बाब्वे सीरीज में 3 विकेट लेने के साथ ही वह टी20 इंटरनेशनल रैंकिंग में 31 स्थान की छलांग लगाकर 41वें नंबर पर आ गए हैं।सीरीज गंवाने के बावजूद जिम्बाब्वे के कई खिलाड़ियों को भी ताजा रैंकिंग में फायदा पहुंचा है। रयान बर्ल टी20 इंटरनेशनल बल्लेबाजों की रैंकिंग में छह स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 85वें स्थान पर आ गए, जबकि तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजराबानी गेंदबाजी रैंकिंग में 10 स्थान ऊपर चढ़कर 26वें स्थान पर पहुंच गए।वनडे फॉर्मेट में न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेरिल मिचेल से नंबर एक की कुर्सी को भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने ले लिया है। मिचेल जनवरी से दुनिया के नंबर एक वनडे बल्लेबाज बने हुए थे। हालांकि, मिचेल के हाल में इंटरनेशनल मैचों में न खेलने की वजह से भारतीय ओपनर फिर से टॉप पर आ गया है।वनडे बॉलिंग रैंकिंग में भी बदलाव देखने को मिला। नामीबिया के बाएं हाथ के स्पिनर बर्नार्ड शोल्ट्ज़ ने लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हुए टॉप सात में जगह बनाई। उन्होंने यूट्रेक्ट में नेपाल और नीदरलैंड के साथ हुई आईसीसी मेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 ट्राई-सीरीज में शानदार खेल दिखाया।

एशियाई खेल 2026 के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम घोषित, हरमनप्रीत सिंह के हाथों में कमान

नई दिल्ली, (ए.)। हॉकी इंडिया ने बुधवार को जापान के आइची-नागोया में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक होने वाले 20वें एशियाई खेल 2026 के लिए 20 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा कर दी है। टीम की कप्तानी स्टार डिफेंडर और ड्रैग-फ्लिक विशेषज्ञ हरमनप्रीत सिंह करेंगे, जबकि अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह टीम के उपकप्तान होंगे।

भारत मौजूदा एशियाई खेल चैंपियन के रूप में टूर्नामेंट में उतरेगा। हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में भारतीय टीम ने 2023 के हांगझोउ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक का टिकट हासिल किया था। इस बार भी टीम का लक्ष्य खिताब बचाने के साथ-साथ लॉस एंजिलिस 2028 ओलंपिक का सीधा कोटा हासिल करना होगा।

गोलकीपिंग की जिम्मेदारी मोहित एचएस और सूरज करकेरा संभालेंगे। रक्षापंक्ति में जरमनप्रीत सिंह,

हरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, संजय, सुमित और यशदीप सिवाच शामिल हैं।मिडफील्ड में राजिंदर सिंह, राज कुमार पाल, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, नीलकांत शर्मा और विवेक सागर प्रसाद टीम की कमान संभालेंगे। वहीं आक्रमण की जिम्मेदारी दिलप्रीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा, सुखजीत सिंह, मनदीप सिंह और अभिषेक के कंधों पर होगी।भारतीय टीम को पूल-ए में मेजबान जापान, दक्षिण कोरिया, बांग्लादेश, श्रीलंका और इंडोनेशिया के साथ रखा गया है। भारत अपने अभियान की शुरुआत 20 सितंबर को इंडोनेशिया के खिलाफ करेगा। इसके बाद टीम 22 सितंबर को श्रीलंका, 24 सितंबर को दक्षिण कोरिया, 26 सितंबर को जापान और 28 सितंबर को बांग्लादेश से भिड़ेगी।मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने टीम चयन पर कहा कि यह बेहद अनुभवी टीम है और सभी खिलाड़ियों का लक्ष्य एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक जीतकर लॉस एंजिलिस 2028 ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करना है।कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि उन्हें टीम के हर खिलाड़ी पर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा कि युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का अच्छा संतुलन टीम की सबसे बड़ी ताकत है। खिलाड़ियों को बिना दबाव के अपनी जिम्मेदारी समझते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026: बॉक्सर साक्षी ने देश के लिए पक्का किया मेडल, महिला 51 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में पहुंचीं

ग्लासगो(ए.)। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में बुधवार को भारत की महिला मुक्केबाज साक्षी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए महिला 51 किलोग्राम वर्ग के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। क्वार्टरफाइनल मुकाबले में उन्होंने नॉर्दन आयरलैंड की कैटलिन फ्रायर्स को एकतरफा अंदाज में 5-0 से हराकर भारत के लिए कम से कम सिल्वर मेडल पक्का कर लिया है।एसईसी हॉल-5 में खेले गए इस मुकाबले में साक्षी ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और तीनों राउंड में अपने प्रतिद्वंद्वी पर दबदबा बनाए रखा। पांचों जजों ने मुकाबला साक्षी के पक्ष में दिया और उन्हें सर्वसम्मत निर्णय के आधार पर विजेता घोषित किया। सभी जजों ने साक्षी को 29 अंक दिए, जबकि फ्रायर्स को 25 से 27 अंकों के बीच अंक मिले। दूसरे राउंड में फ्रायर्स का एक अंक चेतावनी के कारण काटा गया, जिससे भारतीय मुक्केबाज की बढ़त और मजबूत हो गई।इस जीत के साथ साक्षी ने सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। कॉमनवेल्थ गेम्स के बॉक्सिंग फॉर्मेट के तहत सेमीफाइनल में हारने वाले दोनों खिलाड़ियों को ब्रॉन्ज मेडल मिलता है, इसलिए उनका कम से कम ब्रॉन्ज मेडल पक्का हो गया है। अब साक्षी अपनी अगली बाउट जीतकर गोल्ड मैच तक पहुंचना चाहेंगी। साक्षी कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले चौथी भारतीय बॉक्सर हैं; उनसे पहले प्रीति, प्रिया और जादुमनी सिंह भी अपनी-अपनी वेट कैटेगरी में अंतिम चार में जगह बना चुके हैं। प्रिया ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में महिलाओं के 60 किग्रा सेमीफाइनल में शानदार एंट्री की। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में स्कॉटलैंड की नियाम मिशेल को प्वाइंट्स के आधार पर 4-1 से हराया।वहीं, प्रीति ने नॉर्दर्न आयरलैंड की निकोल क्लाइड के खिलाफ एकतरफा और सर्वसम्मत फैसले से जीत हासिल कर महिलाओं के 54 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में जगह बनाई।

18वां रणधीर वर्मा इंटर स्कूल अंडर-13 क्रिकेट टूर्नामेंट 1 अगस्त से, आयोजन समिति गठित

पटना,(ए.)। 18वें रणधीर वर्मा इंटर स्कूल अंडर-13 क्रिकेट टूर्नामेंट के सफल संचालन के लिए सात सदस्यीय आयोजन समिति का गठन किया गया है। पूर्व आईपीएस रणधीर वर्मा फाउंडेशन के संस्थापक-सह-सचिव एवं भाजपा क्रीड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक सतीश राजू ने बुधवार को समिति के गठन और तैयारियों की आधिकारिक जानकारी साझा की।उन्होंने बताया कि यह निर्णय आज आयोजन समिति की बैठक में लिया गया। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की जिम्मेदारी सरदार पटेल स्पोर्ट्स फाउंडेशन को सौंपी गई है।मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों को देखते हुए प्रतियोगिता की तिथि में बदलाव किया गया है। अब यह टूर्नामेंट 25 जुलाई के स्थान पर 1 अगस्त से श्रीकृष्णा क्रिकेट मैदान, खेमनीचक में खेला जाएगा।राजेश यादव, विकास कुमार गोल्डी, कंचन कुमारी, विकास सिंह, मोहित श्रीवास्तव, सचिन राणावत, अभिराम शर्मा आयोजन समिति की सदस्य होंगे।वहीं भौतिक चिकित्सा टीम में डॉ यश्मित कुशान एवं डॉक्टर पूरब सिन्हा को शामिल किया गया हैसभी मुकाबले 21-21 ओवर के नॉकआउट फॉर्मेट में होंगे, जिससे हर मैच निर्णायक और रोमांचक होगा।

CWG 2026: 34 गोल्ड के साथ टॉप पर ऑस्ट्रेलिया, 12 मेडल जीतकर नौवें स्थान पर भारत

नई दिल्ली (ए.)। कॉमनवेल्थ गेम्स (सीडब्ल्यूजी) 2026 में भारत का शानदार प्रदर्शन जारी है। मंगलवार को भारत की झोली में दो सिल्वर मेडल और आए, जबकि तीन मुक्केबाजों ने अपने मेडल पक्के कर लिए हैं। भारत की कुल मेडल की संख्या अब 12 हो चुकी है। हालांकि, मेडल टैली पर ऑस्ट्रेलिया का दबदबा लगातार बरकरार है। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में ऑस्ट्रेलिया अब तक कुल 78 मेडल अपने नाम कर चुका है। इसमें 34 गोल्ड, 17 सिल्वर और 27 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया की टक्कर में इस समय कोई नहीं है। कनाडा मेडल टैली में 35 मेडल के साथ दूसरे स्थान पर है। कनाडा ने 13 गोल्ड, 10 सिल्वर और 12 ब्रॉन्ज मेडल हासिल किए हैं। इंग्लैंड मेडल टैली में तीसरे स्थान पर मौजूद है। इंग्लैंड ने अब तक कुल 43 मेडल जीते हैं, जिसमें 10 गोल्ड, 18 सिल्वर और 15 ब्रॉन्ज मेडल हैं।

मेजबान स्कॉटलैंड फिलहाल चौथे स्थान पर है। स्कॉटलैंड की झोली में अब तक 15 मेडल आए हैं। इसमें 7 गोल्ड, 4 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। 6 गोल्ड और कुल 11 मेडल के साथ नाइजीरिया मेडल टैली में पांचवें स्थान पर बना हुआ है। वहीं, भारत टॉप 10 में बरकरार है। छठे दिन दो सिल्वर मेडल जीतने के बाद भारत 9वें स्थान पर काबिज है। भारत ने कुल 2 गोल्ड, 7 सिल्वर और 3 ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं।

छत्तीसगढ़ समाचार

यातायात पुलिस की सतर्कता से चोरी की बाइक बरामद, क्यूआरटी-1 टीम की सराहनीय कार्रवाई

रायपुर, (आरएनएस)। राजधानी रायपुर की यातायात पुलिस ने सतर्कता और तकनीकी जांच के दम पर चोरी की एक मोटरसाइकिल बरामद कर सराहनीय सफलता हासिल की है। यह कार्रवाई 26 जुलाई की शाम राम मंदिर वीआईपी चौक पर यातायात व्यवस्था के दौरान की गई।

जानकारी के अनुसार, क्यूआरटी-1 टीम में तैनात प्रधान आरक्षक रामूराम महिलांगे और आरक्षक संजय नेताम ने एक मोटरसाइकिल पर तीन युवकों को आते देखा। वाहन की नंबर प्लेट संदिग्ध लगी, क्योंकि आगे की नंबर प्लेट के अंतिम चार अंक मुड़े हुए थे और पीछे नंबर प्लेट ही नहीं थी। शक होने पर पुलिस ने बाइक को रोककर पूछताछ की, लेकिन चालक वाहन के संबंध में संतोषजनक जानकारी नहीं दे सका।

इसके बाद पुलिस ने मोबाइल डिवाइस के माध्यम से वाहन के पंजीयन और तकनीकी विवरण की जांच की। शुरुआती जानकारी में वाहन किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर पंजीकृत मिला, लेकिन संपर्क करने पर उसने बताया कि उसकी बाइक सुरक्षित घर पर खड़ी है। इसके बाद पुलिस ने चेचिस नंबर का मिलान किया, जिससे बाइक के वास्तविक मालिक रोहित कुमार यादव निवासी गरियाबंद का पता चला।

रोहित कुमार यादव ने पुलिस को बताया कि उनकी मोटरसाइकिल फरवरी 2025 में चोरी हो गई थी और इस संबंध में थाना फिंगेश्वर में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। फिंगेश्वर पुलिस से पुष्टि होने के बाद बरामद बाइक को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर संबंधित थाने के सुपुर्द कर दिया गया।

पुलिस कमिश्नरेट रायपुर ने क्यूआरटी-1 टीम की सतर्कता और तकनीकी संसाधनों के प्रभावी उपयोग की सराहना करते हुए कहा कि यातायात पुलिस केवल ट्रैफिक व्यवस्था ही नहीं, बल्कि अपराध नियंत्रण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। साथ ही नागरिकों से वाहन खरीदने-बेचने के दौरान पूरी जांच-पड़ताल करने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की गई है।

आईसीएआर-राष्ट्रीय जैविक स्ट्रेस प्रबंधन संस्थान ने 60 अनुसूचित जाति किसानों को बांटे बैटरी संचालित स्प्रेयर

रायपुर (आरएनएस)। अनुसूचित जाति के किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़ने और उनकी आजीविका को सुदृढ़ बनाने की दिशा में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय जैविक स्ट्रेस प्रबंधन संस्थान (ICAR-NIBSM), रायपुर ने महत्वपूर्ण पहल की है। संस्थान ने अनुसूचित जाति उपयोजना (SCSP) के अंतर्गत बेलटुकरी गांव के 60 किसानों को बैटरी संचालित स्प्रेयर वितरित किए। इस पहल का उद्देश्य किसानों को आधुनिक कृषि उपकरण उपलब्ध कराकर खेती की दक्षता बढ़ाना, कृषि लागत को कम करना और उत्पादन एवं आय में वृद्धि को बढ़ावा देना है। संस्थान के निदेशक डॉ. पी.के. राय ने अपने संदेश में कहा कि अनुसूचित जाति उपयोजना के माध्यम से किसानों को आधुनिक कृषि यंत्र, वैज्ञानिक तकनीक और क्षमता विकास कार्यक्रमों से जोड़ने का कार्य लगातार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने और उनकी आजीविका मजबूत करने के लिए संस्थान आवश्यकता आधारित तकनीकों और कृषि विस्तार गतिविधियों को प्राथमिकता दे रहा है।कार्यक्रम में संयुक्त निदेशक डॉ. अनिल दीक्षित ने धान की रोपाई के बाद अपनाई जाने वाली आवश्यक सस्य क्रियाओं और वैज्ञानिक खरपतवार प्रबंधन की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि समय पर खरपतवार नियंत्रण करने से फसल की बेहतर वृद्धि होती है और उत्पादन में बढ़ोतरी होती है।वहीं संयुक्त निदेशक डॉ. पंकज शर्मा ने धान की प्रारंभिक अवस्था में लगने वाले प्रमुख कीट एवं रोगों की पहचान, रोकथाम और समेकित प्रबंधन की वैज्ञानिक तकनीकों से किसानों को अवगत कराया। उन्होंने किसानों को समय पर कीट एवं रोग नियंत्रण उपाय अपनाने की सलाह दी।लाभार्थी किसानों ने बैटरी संचालित स्प्रेयर और वैज्ञानिक मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के लिए संस्थान का आभार जताया। किसानों ने कहा कि आधुनिक उपकरणों की सहायता से कीट एवं रोग प्रबंधन सहित अन्य कृषि कार्य कम समय और कम लागत में अधिक प्रभावी तरीके से किए जा सकेंगे।

मेघा एनीकट पर जानलेवा सफर, उफनते पानी के बीच जोखिम उठाकर गुजर रहे लोग

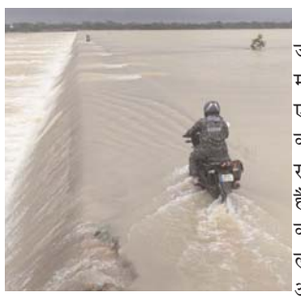

धमतरी, (ए.)। जिले में रूक-रूककर भारी बारिश हो रही है, इससे जनजीवन प्रभावित है। लगातार हो रही बारिश के कारण धमतरी जिले के मगरलोड विकासखंड स्थित मेघा एनीकट पूरी तरह लबालब हो गया है। एनीकट के ऊपर से तेज़ बहाव के साथ पानी बह रहा है, इसके बावजूद कई लोग अपनी जान जोखिम में डालकर बाइक और पैदल आवागमन कर रहे हैं। तेज़ धार के बीच वाहन निकालते लोगों की तस्वीरें चिंता बढ़ा रही हैं। जरा-सी चूक किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती है।स्थानीय लोगों का कहना है कि पानी का बहाव लगातार बना हुआ है, फिर भी कुछ लोग लापरवाही बरतते हुए एनीकट पार करने की कोशिश कर रहे हैं। प्रशासन और पुलिस द्वारा ऐसे स्थानों से दूर रहने तथा सुरक्षित वैकल्पिक मार्ग अपनाने की लगातार अपील की जा रही है। बारिश के इस दौर में थोड़ी-सी असावधानी भारी पड़ सकती है। मालूम हो कि जिले में रूक-रूककर भारी बारिश हो रही है, इससे जनजीवन प्रभावित है। धमतरी जिला अंतर्गत नगरी ब्लाक के देउरपारा-सिहावा क्षेत्र में बारिश के दबाव के चलते पुल बह जाने से ग्राम सिरसिदा, छिपलीपारा, देवपुर, सोनामगर, भैसामुड़ा, चारगांव, मेचका, रिसगांव, भीतरास सहित अनेक गांवों का संपर्क टूट गया है।जिले के प्रमुख गंगरेल बांध में 30 हजार क्यूसेक से अधिक पानी की आवक हो रही है।

'' एक पेड़ माँ के नाम '' : लायंस क्लब कोरबा ने निगम के साथ मिलकर किया वृक्षारोपण

कोरबा (आरएनएस)। '' एक पेड़ माँ के नाम '' अभियान में लायंस क्लब कोरबा ने निगम के साथ मिलकर अपनी महती सहभागिता दी तथा निहारिका पंतजलि स्टोर से स्मृति उद्यान तक संस्था के पदाधिकारियों व सदस्यों ने आयुक्त आशुतोष पाण्डेय एवं निगम के अधिकारियों के साथ मिलकर लगातार हो रही रिमझिम बारिश के बीच वृक्षारोपण किया। संस्था के पदाधिकारियों ने उक्त मार्ग पर लगाये गये पौधों की देखरेख एवं संरक्षण का संकल्प लेते हुये हरित कोरबा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। कलेक्टर कुणाल दुदावत के मार्गदर्शन एवं आयुक्त आशुतोष पाण्डेय के दिशा निर्देशन में जिला प्रशासन व नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा वन विभाग के सहयोग से पर्यावरण संरक्षण एवं हरित कोरबा के संकल्प के साथ विगत 18 जुलाई से '' एक पेड़ माँ के नाम '' अभियान के तहत सघन वृक्षारोपण का कार्य संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत आज कोरबा के निहारिका पंतजलि स्टोर से स्मृति उद्यान तक वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया, कोरबा की प्रतिष्ठित संस्था लायंस क्लब कोरबा ने इस महत्वपूर्ण अभियान में अपनी सहभागिता निभाई तथा आयुक्त आशुतोष पाण्डेय के साथ मिलकर संस्था के पदाधिकारियों व सदस्यों ने लगातार हो रही रिमझिम बारिश के बीच उक्त मार्ग पर वृक्षारोपण किया। इस मौके पर आयुक्त आशुतोष पाण्डेय के साथ ही रविशंकर सिंह, दीपक अग्रवाल, राजकुमार अग्रवाल श्वेता, दिनेश राठौर, राजकुमार अग्रवाल उत्सव, अशोक बजाज, पुरूषोत्तम अग्रवाल, इंदु राजवाड़े, उत्तम श्रीवास, गोपाल जायसवाल, निगम के अपर आयुक्त विनय मिश्रा, उपायुक्त नीरज कौशिक, उद्यान अधीक्षक आनंद सिंह राठौर सहित अन्य लोगों ने वृक्षारोपण किया।

बदलते बस्तर का संदेश लेकर दिल्ली रवाना हुआ बस्तर का प्रतिनिधिमंडल

राष्ट्रपति से करेंगे मुलाकात, बस्तर की समृद्ध जनजातीय संस्कृति से कराएंगे परिचित

रायपुर,(आरएनएस)। बस्तर की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, सामाजिक परंपराओं और बदलते बस्तर की नई तस्वीर को राष्ट्रीय पटल पर प्रस्तुत करने के उद्देश्य से बस्तर के परगना मांझी, चालाकी, समाज प्रमुख, बस्तर पंडुम-2026 के प्रसिद्ध जनजातीय युवा कलाकार, जनजातीय समाज प्रतिनिधि तथा बस्तर के पद्मश्री सम्मान प्राप्तकर्ताओं सहित 164 व्यक्तियों का प्रतिनिधिमंडल आज दिल्ली के लिए रवाना हुआ। यह प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रपति भवन में आयोजित कार्यक्रम में माननीय राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू से मुलाकात करेगा तथा बस्तर की गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराओं और सामाजिक व्यवस्था से उन्हें अवगत कराएगा।

प्रतिनिधिमंडल के सदस्य राष्ट्रपति के समक्ष यह संदेश भी रखेंगे कि आज का बस्तर हिंसा और भय की पहचान से निकलकर शांति, विकास और विश्वास के नए दौर में प्रवेश कर चुका है। बस्तर के युवा अपनी संस्कृति, परंपराओं और प्रतिभा के बल पर देशभर में नई पहचान बना रहे हैं। वे राष्ट्रपति को बताएंगे कि शासन की विकासोन्मुखी पहल और सुरक्षा बलों के सतत प्रयासों से नक्सलवाद के खात्मे की दिशा में ऐतिहासिक सफलता मिली है, जिससे बस्तर में शिक्षा, पर्यटन, रोजगार और जनजीवन को नई गति मिली है। प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रपति के प्रति बस्तरवासियों की ओर से आभार व्यक्त करते हुए संदेश देंगे कि अब बस्तर की पहचान केवल प्राकृतिक सौंदर्य और समृद्ध जनजातीय संस्कृति ही नहीं, बल्कि शांति, विकास, लोकतांत्रिक भागीदारी और नई उम्मीदों से भी जुड़ चुकी है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय छत्तीसगढ़ में पहली बार आयोजित स्पोर्ट्स कॉन्क्लेव में हुए शामिल

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में राज्य के पदक विजेता खिलाड़ियों को दी प्रोत्साहन राशि

रायपुर, (आरएनएस)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित स्पोर्ट्स कॉन्क्लेव के समापन सत्र में शामिल हुए। उन्होंने राजधानी रायपुर के एक निजी होटल में आयोजित कॉन्क्लेव में विगत मार्च-अप्रैल में छत्तीसगढ़ में हुए देश के पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में राज्य के लिए पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को प्रोत्साहन राशि प्रदान की। छत्तीसगढ़ में पहली बार इस स्पोर्ट्स कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया था, जिसमें विभिन्न सत्रों में देशभर से आए खेल प्रशासकों, नीति निर्माताओं, स्पोर्ट्स साइंटिस्ट्स, नामचीन खिलाड़ियों, विशेषज्ञों और खेल संघों के पदाधिकारियों ने छत्तीसगढ़ में खिलाड़ियों के लिए बेहतर सुविधाओं, खेल प्रतिभाओं की खोज, प्रशिक्षण और सुदृढ़ खेल अधोसंरचना के रोडमैप पर दिनभर मंथन किया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए कहा कि विशेषज्ञों के बीच आज दिनभर हुए गंभीर विचार-विमर्श से राज्य में खेल और खिलाड़ियों की बेहतरी के कार्यों को सार्थक एवं प्रभावी दिशा मिलेगी। राज्य में खेलों के विकास के लिए यह कॉन्क्लेव मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि खेल और खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने छत्तीसगढ़ में गंभीरता से काम हो रहे हैं। उत्कृष्ट खेल मिशन के अंतर्गत खेल अधोसंरचना को मजबूत करने इस साल के बजट में 100 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। हमने हाल ही में प्रदेशभर के 156 उत्कृष्ट खिलाड़ियों की सूची को मंजूरी दी है, जिन्हें आगे जाकर सरकार नौकरी में लाभ देगी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि खिलाड़ियों को खेलने के लिए अच्छा मंच उपलब्ध कराने बस्तर ओलंपिक, सरगुजा ओलंपिक और खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के आयोजन राज्य में हुए हैं। बस्तर ओलंपिक में करीब चार लाख और सरगुजा ओलंपिक में लगभग साढ़े तीन लाख खिलाड़ियों ने भागीदारी की है। राज्य की खेल प्रतिभाओं को उचित अवसर और संसाधन देने की आवश्यकता है। इसके लिए हम लोग सक्रियता से काम कर रहे हैं।उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव कहा कि यह कॉन्क्लेव छत्तीसगढ़ को खेलों के क्षेत्र में अग्रणी बनाने में बहुत मददगार होगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य में खेल और खिलाड़ियों की तरक्की और बेहतरी के लिए लगातार काम हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की भौगोलिक परिस्थितियों में प्राकृतिक, शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत युवा निकलते हैं। प्राथमिक कक्षाओं से ही बच्चों की खेल प्रतिभा को पहचान कर उन्हें तराशने और संवारने की कार्ययोजना पर हम काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज विशेषज्ञों के जो अमूल्य सुझाव और मार्गदर्शन प्राप्त हुए हैं, उन पर निश्चित रूप से अमल किया जाएगा। आज के निष्कर्षों को शामिल कर हम विस्तृत कार्ययोजना बनाएंगे और उसे प्रभावी तरीके से क्रियान्वित करेंगे। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव यशवंत कुमार, संचालक मती तनुजा सलाम, ओलंपियन जिन्सन जॉनसन, प्रख्यात शिक्षाविद एवं खेल वैज्ञानिक डॉ. रत्नेश सिंह, छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के महासचिव विक्रम सिसोदिया, हाई परफॉर्मेंस एनॉलिस्ट रोनक कोठारी, पीईएफआई के राष्ट्रीय सचिव डॉ. पियूष जैन, खेलो इंडिया के उप महानिदेशक मयंक वास्तव और पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर राजेश चौहान सहित प्रदेश के अनेक खिलाड़ी, प्रशिक्षक, सभी जिलों के खेल अधिकारी एवं खेल संघों के पदाधिकारी बड़ी संख्या में कॉन्क्लेव में शामिल हुए।

मौसम की चुनौती के बीच किसानों के साथ प्रशासन

सुकमा (आरएनएस)। जिले में अनियमित एवं कम वर्षा की संभावित परिस्थितियों को देखते हुए जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में कृषि विज्ञान केंद्र, सुकमा द्वारा किसानों को समय पर वैज्ञानिक कृषि परामर्श उपलब्ध कराया जा रहा है। सोशल मीडिया, व्हाट्सएप समूह, ग्राम स्तरीय बैठकों एवं कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से किसानों को मौसम आधारित कृषि तकनीकों, जल संरक्षण एवं फसल प्रबंधन की जानकारी निरंतर दी जा रही है, ताकि प्रतिकूल मौसम के प्रभाव को कम करते हुए किसानों की फसल, उत्पादन और आय को सुरक्षित रखा जा सके। कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को खेतों में मेड़बंदी कर वर्षा जल का अधिकतम संरक्षण करने तथा शेष धान रोपाई को उपलब्ध नमी का उपयोग करते हुए शीघ्र पूरा करने की सलाह दी है। विलंबित वर्षा की स्थिति में कम अवधि में पकने वाली धान की किस्मों को प्राथमिकता देने के साथ-साथ ऊपरी एवं कम पानी वाले क्षेत्रों में मक्का, रागी, कुटकी, उड़द, कुल्थी एवं तिल जैसी कम पानी में बेहतर उत्पादन देने वाली फसलों की खेती करने का सुझाव दिया गया है।

गुरु पूर्णिमा पर विद्यालय में गुरु-शिष्य परंपरा का भव्य आयोजन

सीहोर (निप्र)। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मुंगावली में गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व श्रद्धा, उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती एवं गुरुजनों के चित्रों पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने अपने गुरुजनों का तिलक लगाकर एवं पुष्पमालाएं पहनाकर सम्मान किया तथा उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने गुरु वंदना, प्रेरणादायी भाषण, कविता एवं दोहों की प्रस्तुतियों के माध्यम से गुरु के प्रति अपनी श्रद्धा, सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त की। कार्यक्रम में गुरु-शिष्य परंपरा की गौरवशाली परंपरा को जीवंत रूप से प्रस्तुत किया गया, जिससे पूरे विद्यालय का वातावरण भक्तिमय एवं प्रेरणादायक बन गया।गुरु पूर्णिमा पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित विभिन्न शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित कर पुरस्कार प्रदान किए गए। इस दौरान विद्यालय के शिक्षकों ने विद्यार्थियों को गुरु पूर्णिमा के महत्व, इसकी ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि तथा भारतीय संस्कृति में गुरु-शिष्य परंपरा की भूमिका से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि गुरु केवल ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का निर्माण कर उन्हें जीवन के सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा भी देते हैं। शिक्षकों ने विद्यार्थियों से अनुशासन, संस्कार, परिश्रम एवं ज्ञान के मार्ग पर सदैव अग्रसर रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम का सफल संचालन श्रीमती ज्योति त्यागी एवं जितेंद्र बड़ोदिया के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर श्रीमती सुनीता भदोरिया, अंजू दोग्ने, रेखा विश्वकर्मा, उर्मिला यादव, भैरव सिंह शाक्य, घनश्याम मोहनिया, रितेश राठौर, घनश्याम दोग्ने, ओ.पी. शर्मा, मुकेश सिसोदिया, बृजेश परमार सहित विद्यालय का समस्त शिक्षकीय एवं गैर-शिक्षकीय स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम के अंत में सभी ने गुरुजनों के प्रति सम्मान बनाए रखने तथा भारतीय संस्कृति की गुरु-शिष्य परंपरा को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

जिसके जीवन में सद्गुरु नहीं वह अनाथ के समान है

गणेश मंदिर रोड स्थित आश्रम में मनाया गया गुरु पूर्णिमा महोत्सव

सीहोर (निप्र)। गुरु पूर्णिमा महोत्सव पारंपरिक रूप से मनाया गया। गणेश मंदिर रोड स्थित संत आसाराम बापू आश्रम में कार्यक्रम आयोजित किया गया। दीक्षाधारी साधक साधिकाओं सेवादारों श्रद्धालुओं के द्वारा गुरु चरणों की पूजा अर्चना की गई। भजन कीर्तन सत्संग के कार्यक्रम हुए। गुरु वंदना की गई।योग वेदांत सेवा समिति संरक्षक सुदर्शन राय समिति अध्यक्ष कृष्ण कुमार विश्वकर्मा के मार्गदर्शन में प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष आश्रम में गुरू-पूर्णिमा महोत्सव आयोजित किया गया। वरिष्ठ वक्ताओं के द्वारा सद्गुरु की महिमा की संपूर्ण जानकारी श्रद्धालुओं को दी गई। उन्होंने कहा कि जिसके जीवन में सद्गुरु नहीं है सद्गुरु का ज्ञान नहीं है वह अनाथ है उसका कोई सच्चा हितेषी भी नहीं है सद्गुरु ही जीव का सच्चा है कैसी होता है।

संगीतमय आशारामायणजी पाठ किया गया। महाआरती के तत्पश्चात विशाल भण्डारा भी आश्रम में आयोजित किया गया । सद साहित्य का वितरण किया गया। कार्यक्रम में कमल महावर जी, प्रकाश भाई, महिपाल दासवानी, बब्लू प्रजापति, अंकित भाटी अभिषेक पांडे,अशोक गोयल,इंदु दीदी,सरिता दीदी , महेश प्रजापति,लक्ष्मी नारायण ठाकुर ,याग्निक, परिधार, चम्पालाल, सहित योग वेदांत समिति संत आसाराम बापू आश्रम परिवार के सभी सदस्य श्रद्धालु जन शहर सहित आसपास के ग्रामीण अंचल के नागरिक बड़ी संख्या में शामिल रहे।

वर्षा ऋतु में होने वाली जल जनित बीमारियों के दृष्टिगत स्वास्थ्य विभाग की एडवाइजरी

आमजनों से अपील वे सतर्क रहें और दूषित जल से होने वाले रोगों से सावधानियां अपनाएं

सीहोर (निप्र)। वर्षा ऋतु में होने वाली जल जनित बीमारियों के दृष्टिगत स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे सतर्क रहें और दूषित जल से होने वाले रोगों से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियां अपनाएँ। स्वास्थ्य विभाग द्वारा शुद्ध जल का उपयोग करने एवं जल जनित रोगों से सुरक्षा के लिए सलाह दी गई है। दूषित पानी के सेवन से उल्टी-दस्त, पेचिश, हैजा, पीलिया और टाइफाइड जैसी गंभीर बीमारियां होने की संभावना बढ़ जाती है। एडवाइजरी में कहा गया है कि रोगों से बचने के लिए सावधानियां और सुरक्षा उपाय अपनाकर स्वयं एवं परिवार को सुरक्षित करें। स्वास्थ्य विभाग एडवाइजरी में कहा है कि खानपान के लिए सदैव स्वच्छ एवं सुरक्षित उबला अथवा फिल्टर जल का ही प्रयोग करें। यदि पानी की शुद्धता संदिग्ध हो, तो उसे पहले उबालें, साफ कपड़े से छानें अथवा क्लोरीन की गोली डालें और कम से कम एक घंटे के बाद उसका सेवन करें। खाना बनाने, परोसने और खाने से पहले तथा शौच के बाद हाथों को साबुन और स्वच्छ पानी से अच्छी तरह धोना अत्यंत आवश्यक है। यह सरल आदत कई रोगों से बचाव में सहायक होती है। स्वास्थ्य विभाग ने कहा है कि सदैव ताजा पका हुआ भोजन एवं स्वच्छ खाद्य वस्तुओं का ही सेवन करें। अधिक समय पहले बना हुआ यात्री बासी भोजन न खाएं।

हजारों भक्तों ने निकाली ऐतिहासिक साईं बाबा की पालकी रथ यात्रा

शहर में गूंजा ओम साईराम का जय घोष, साईं भक्तों में रहा उल्लास

सीहोर (निप्र)। गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर शहर में साई सेवा संस्थान समिति के द्वारा बुधवार को शहर के प्रमुख मार्गो से ऐतिहासिक साई पालकी रथ यात्रा निकाली गई। साई पालकी रथ यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं भक्तों में हर्षो उल्लास का माहौल बना रहा।पालकी यात्रा में बैंड बाजे ढोल डीजे भजन कीर्तन करती मंडलीया, मिक्की माउस कार्टून, नृत्य करती चलित बालिकाओं की झांकी, साईं बाबा की झांकी, नरसिंहगढ़ का बैंड, सजे धजे घोड़े भगवा ध्वज, अखाड़ा खेलते जांबाज युवक,आकर्षण का केंद्र बने रहे। पालकी रथ यात्रा में सम्मिलित हुए विधायक सुदेश राय,नगर पालिका अध्यक्ष विकास प्रिंस राठौर कांग्रेस जिला अध्यक्ष राजीव गुजराती और वरिष्ठ जनों ने साई बाबा का आशीर्वाद लेकर साईं बाबा पालकी रथ यात्रा आयोजन अध्यक्ष पार्षद समाजसेवी लोकेन्द्र वर्मा का पुष्प माला पहनकर सम्मान किया। साई बाबा की पालकी रथ यात्रा का शहर में अनेक स्थान पर मंच बनाकर राजनीतिक धार्मिक व्यापारिक सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियो कार्यकर्ताओं और नागरिको ने फूल बरसाकर भव्य स्वागत किया। साई बाबा मंदिर गंज में विधिवत पूजा अर्चना अनुष्ठान कर साई बाबा पालकी रथ यात्रा का शुभारंभ साईंनाथ सेवा संस्थान संस्थापक ब्रजमोहन सोनी, साई बाबा पालकी रथ यात्रा आयोजन अध्यक्ष पार्षद समाजसेवी लोकेन्द्र वर्मा, समाजसेवी गब्बर यादव, युवा अध्यक्ष तनिष्क सोनी, अर्जुन राठौर, पंडित पुनित शर्मा के द्वारा किया गया। बाबा की रथ यात्रा साईंनाथ मंदिर गंज से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों से भ्रमण करते हुए पुन: मंदिर परिसर में पहुंची यह पर भक्तों को प्रसादी का वितरण किया गया। हजारों श्रद्धालुओ ने साईं बाबा के जयघोष के साथ पुण्य लाभ अर्जित कर साई बाबा की पालकी रथ यात्रा का समापन किया।

कुबेरेश्वरधाम पर गुरु पूर्णिमा महोत्सव में उमड़ा भक्ति का महासागर, लाखों श्रद्धालुओं ने किया गुरु पूजन

सीहोर (निप्र)। हर साल की तरह इस साल भी करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का प्रतीक कुबेरेश्वरधाम में गुरु पूर्णिमा महोत्सव का छह दिवसीय पर्व आस्था और उत्साह के साथ सफल रहा। बुधवार को कुबेरेश्वरधाम पर भक्ति का महाकुंभ नजर आया। एक मिलोमीटर लंबी कतारों में खड़े होकर श्रद्धालुओं ने गुरु दर्शन किए। वहीं इस संपूर्ण कार्यक्रम में करीब 10 लाख से अधिक श्रद्धालु शामिल हुए। गुरु पूर्णिमा महोत्सव के अवसर पर अंतरराष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा कि सच्चा गुरु वही है, जिसका जीवन, आचरण और व्यवहार समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत बने। उन्होंने कहा कि ईश्वर से बड़ा हितैषी कोई नहीं है, इसलिए परमात्मा ही समस्त जगत के गुरु हैं। उन्होंने बताया कि माता पार्वती ने भी भगवान शिव को अपना गुरु स्वीकार किया था, जिससे गुरु परंपरा का महत्व स्पष्ट होता है। पंडित श्री मिश्रा ने कहाकि यहां पर आने वाला हर भक्त सिर्फ शिव का है। गुरु पूर्णिमा महोत्सव पर सुबह करीब 25 क्विंटल नुक्ति का भोग लगाकर विठलेश सेवा समिति के पंडित विनय मिश्रा, पंडित समीर शुक्ला आदि सेवादारों ने यहां पर आने वाले श्रद्धालुओं को भोजन प्रसादी का वितरण किया।

गुरु पूर्णिमा महोत्सव के दौरान कलेक्टर-एसपी ने व्यवस्थाओं का जायजा लिया

कुबेरेश्वर धाम में श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए दिए आवश्यक निर्देश

सीहोर (निप्र)। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर कुबेरेश्वर धाम में आयोजित भव्य महोत्सव के दौरान कलेक्टर बालागुरू के. एवं एसपी श्रीमती सोनाक्षी सक्सेना ने अधिकारियों के साथ कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने आयोजन स्थल पर श्रद्धालुओं के लिए की गई विभिन्न व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। गुरु पूर्णिमा महोत्सव में देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए जिला प्रशासन एवं आयोजन समिति द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारियां की गई हैं। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने पेयजल व्यवस्था, पार्किंग स्थल, कंट्रोल रूम, हेल्प डेस्क, स्वास्थ्य शिविर, यातायात प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण, साफ-सफाई तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित होती रहें और आयोजन के दौरान किसी भी श्रद्धालु को असुविधा का सामना न करना पड़े कलेक्टर बालागुरू के. ने उन्होंने कंट्रोल रूम और हेल्प डेस्क को चौबीसों घंटे सक्रिय रखने, श्रद्धालुओं को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने तथा स्वास्थ्य शिविरों में चिकित्सक, दवाइयां और एम्बुलेंस की समुचित व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को भीड़ प्रबंधन और यातायात व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के निर्देश देते हुए कहा कि श्रद्धालुओं के आवागमन के लिए सुगम मार्ग, बैरिकेडिंग एवं सुरक्षा व्यवस्था प्रभावी रहे। साथ ही स्वच्छता बनाए रखने के लिए नियमित साफ-सफाई तथा आवश्यक सुविधाओं की सतत निगरानी करने को कहा।

रक्षाबंधन पर भारतीय डाक विभाग की विशेष पहल, देश-विदेश में सबसे किफायती दर पर पहुंचेगी राखी

सीहोर (निप्र)। भाई-बहन के अटूट प्रेम और विश्वास के पावन पर्व रक्षाबंधन को लेकर भारतीय डाक विभाग ने विशेष व्यवस्था की है। विभाग इस वर्ष भी बहनों की राखियों को देश और विदेश तक सुरक्षित, समयबद्ध एवं सबसे किफायती दरों पर पहुंचाने के लिए विशेष अभियान चला रहा है। विदेशों में राखी भेजने की सुविधा मात्र 185 से प्रारंभ की गई है। डाक विभाग द्वारा राखियों को स्पेशल मेल के रूप में प्राथमिकता के साथ भेजा जाएगा, ताकि बहनों का स्नेह और प्यार समय पर उनके भाइयों तक पहुंच सके।विदेश में राखी भेजने के इच्छुक सीहोर नगर पालिका क्षेत्र के नागरिक मोबाइल नंबर 7024253290, आष्टा नगर पालिका क्षेत्र के नागरिक 6269992641 तथा भेरूंदा नगर पालिका क्षेत्र के नागरिक 6263532004 पर संपर्क कर सकते हैं। विभाग का प्रतिनिधि घर से ही राखी प्राप्त करेगा तथा बुकिंग की रसीद भी उपलब्ध कराएगा। वहीं, देश के किसी भी हिस्से में राखी भेजने के लिए नागरिक अपने क्षेत्र के पोस्टमैन से संपर्क कर घर-घर संग्रह (डोर-टू-डोर कलेक्शन) सुविधा का लाभ उठा सकते हैं।भारतीय डाक विभाग ने जिले के नागरिकों से अपील की है कि वे रक्षाबंधन के इस पावन अवसर पर विभाग की विश्वसनीय, सुरक्षित एवं किफायती डाक सेवाओं का अधिक से अधिक उपयोग करें, ताकि प्रेम और विश्वास का यह अनमोल बंधन समय पर अपनों तक पहुंच सके।

न्यायालय परिसर की गरिमा, अनुशासन और वकीलों का आचरण न्याय व्यवस्था का मुख्य आधार : वरिष्ठ अभिभाषक श्री उपाध्याय

वरिष्ठ अभिभाषकों ने नवीन अभिभाषकों के साथ अपने अनुभव सांझा किए

सीहोर (निप्र)। शहर के न्यायालय परिसर में जिला अभिभाषक संघ के तत्वाधान में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर संघ के अध्यक्ष अनिल पारे की अध्यक्षता में अखिल भारतीय बार परीक्षा के नवीन युवा अभिवक्ताओं को वरिष्ठ अभिभाषागण द्वारा बैंड पहनाकर तथा पेन प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया। इस मौके पर वरिष्ठ अभिभाषक एनपी उपाध्याय और जीके उपाध्याय ने युवा वकीलों को संबोधित करते हुए कहाकि न्यायालय परिसर की गरिमा, अनुशासन और वकीलों का आचरण न्याय व्यवस्था का मुख्य आधार हैं, जिसे बनाए रखना हर युवा और वरिष्ठ अधिवक्ता का पवित्र कर्तव्य है।

इस मौके पर एक दर्जन से अधिक वरिष्ठ अभिभाषकों का सम्मान किया गया। इसमें एनपी उपाध्याय, जीके उपाध्याय आदि शामिल है। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ अभिभाषकों ने नवीन अभिभाषकों के साथ अपने अनुभव सांझा किए। जिला अभिभाषक संघ सीहोर में वरिष्ठ अभिभाषकगण का शाल श्रीफल, धार्मिक ग्रंथ भेट कर एवं पुष्पहार पहना कर किया गया। कार्यक्रम में जिला अभिभाषक संघ के अध्यक्ष अनिल पारे द्वारा कार्यक्रम की भूमिका व्यक्त की एवं वरिष्ठ अभिभाषक नर्मदाप्रसाद उपाध्याय ने अपने आशीर्वचन सभी कनिष्ठ अभिभाषकगणों को प्रदान किया तथा कार्यक्रम का संचालन अधिवक्ता संघ के सचिव तरूण सिंह सिसोदिया द्वारा किया गया एवं अंत में आभार प्रदर्शन सहसचिव सतपाल सिंह सोलंकी द्वारा व्यक्त किया।

भाजपा के आयोजन में शामिल होने वाली अधिकारी पर हो सख्त कार्रवाई राजनैतिक दल के आयोजन में सरकारी सेवक का शामिल होना सेवा शर्तों का खुला उल्लंघन - पंकज शर्मा

सीहोर (निप्र)। जिला कांग्रेस प्रवक्ता पंकज शर्मा ने एक बयान जारी कर भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के कार्यक्रम में शामिल हुई शाजापुर की जिला शिक्षा अधिकारी दीपा क़ीर पर सख्त कार्रवाई किए जाने की मांग की है। इस बारे में अधिक जानकारी देते हुए पंकज शर्मा ने बताया कि पिछले दिनों भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के तत्वाधान में सैकड़खेड़ी रोड स्थित शहीद स्थल पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था, जिसमें प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष सहित भाजपा जिलाध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, विधायक और अन्य जनप्रतिनिधि तथा पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे। इसी आयोजन में शाजापुर की जिला शिक्षा अधिकारी दीपा क़ीर भी सम्मिलित हुई थी, जबकि ये एक राजनीतिक दल का आयोजन था और सरकारी सेवकों का ऐसे आयोजनों में शामिल होना शासकीय सेवा शर्तों के सर्वथा विपरीत है और इस नियम को तोड़ने वाले शासकीय सेवकों के खिलाफ कठोर कार्रवाई किए जाने का प्रावधान है। पंकज शर्मा ने सीहोर तथा शाजापुर जिला कलेक्टर से दीपा क़ीर के खिलाफ कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की मांग की है, ताकि आगे से कोई भी सरकारी सेवक शासकीय नियमों की धज्जियां उड़ाने का दुस्साहस ना कर सके।

जगतगुरु पंडित अजय पुरोहित के निवास पर मनाया गुरु पूर्णिमा महोत्सव

सीहोर (निप्र)। गुरु केवल ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि वे मनुष्य के वास्तविक और सार्थक जीवन की शुरुआत करते हैं। माता-पिता शरीर देते हैं, लेकिन सद्गुरु जीवन को सही दिशा, उद्देश्य और चेतना प्रदान करते हैं। उक्त विचार शहर के चाणक्यपुरी स्थित श्री अयोध्यानाथ मंदिर में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए जगतगुरु पंडित अजय पुरोहित ने कहे। उन्होंने कहाकि गुरु की कृपा से ही मनुष्य के भीतर छिपी हुई दिव्यता जागती है और जीवन का वास्तविक सफर शुरू होता है। गुरु पूर्णिमा भारतीय संस्कृति में गुरु के प्रति श्रद्धा, सम्मान और कृतज्ञता प्रकट करने का महापर्व है। बुधवार की सुबह गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी शहर के चाणक्यपुरी स्थित श्री अयोध्यानाथ मंदिर गुरुदेव के निज निवास पर जगतगुरु पंडित अजय पुरोहित के सान्निध्य में बुधवार को भव्य गुरु पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिले सहित देश के विभिन्न क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालुओं के शामिल हुए।

तीन अगस्त को आस्था और उत्साह के साथ निकाली जाएगी भव्य कांवड़ यात्रा

सीहोर (निप्र)। सावन माह के पावन अवसर पर कुबेरेश्वरधाम की ओर श्रद्धालुओं की आस्था निरंतर बढ़ती जा रही है। आगामी 3 अगस्त को निकाली जाने वाली भव्य कांवड़ यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है। कांवड़ यात्रा शुरू होने से पहले ही शहर के सीवन नदी तट पर मेले जैसा माहौल बन गया है। यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं तथा पूजा सामग्री, कांवड़ और धार्मिक वस्तुओं की दुकानों पर भी चहल-पहल बढ़ गई है। लगातार चार दिनों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पूरी आस्था और उत्साह के साथ सीवन नदी के तट पर पहुंचकर भगवान शिव की पूजा अर्चना करते हुए पैदल ही 11 किलोमीटर का भक्त का सफर शुरू करते है।

दैनिक क्षितिज किरण
स्वतंक, निष्पक्ष, निर्भीक समाचार
आवश्यकता है
सीहोर जिले में
संवाददाता एवं विज्ञापन प्रतिनिधि की
इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें
संपर्क करें 9425025999 एवं 9098362770
संपर्क करने का समय | सुबह 9.00 बजे से 12.00 बजे तक | शाम 6.00 बजे से 8.00 बजे तक

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस तलैया,भोपाल एवं श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा 09 वैशाली नगर ग्राम शेरपुर शंकर मंदिर के पास सीहोर म.प्र. से प्रकाशित। ब्यूरो प्रमुख -भावना सक्सेना। स्थानीय प्रतिनिधि-मनोज दीक्षित, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो.9425025999 ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com